सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका -पेज: 7

डरावनी ताकतों का मुकाबला करती दिखीं सोनाक्षी सिन्हा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 69 | मंगलवार 17 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

कॉकपिट में पायलटों की आपस में क्या हुई बात? ब्लैक बॉक्स देगा हर सवालों का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): 12 जून को एक गुजरात के अहमदाबाद में एक बड़ा विमान हादसा हुआ। अहमदाबाद के वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के महज कुछ सेकेंड बाद एअर इंडिया का विमान हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की जान चली गई। अब इस हादसे की जांच की जा रही है। विमान के ब्लैक बॉक्स को बरामद कर लिया गया है। माना जा रहा है कि ब्लैक बॉक्स की मदद से विमान हादसे की मुख्य वजह सामने आ सकेगी। चूंकि ब्लैक बॉक्स एक ऐसा उपकरण है, जो पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच बातचीत को रिकॉर्ड करता है। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण विवरणों को भी रिकॉर्ड करता है। जांच में सामने आएंगी ये जानकारियां ये सभी जानकारी मामले की जांच कर रहे अधिकारियों के काफी महत्वपूर्ण हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे ही पता चलेगा कि विमान कैसे और क्यों दुर्घटनाग्रस्त हुआ, यह

अहमदाबाद में 12 जून को एक बड़ा विमान हादसा हुआ जिसमें विमान में सवार 241 लोगों की जान चली गई। जांच के दौरान विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया है। इस ब्लैक बॉक्स की मदद से इस बात का पता लगाने में सफलता मिलेगी कि विमान हादसा कैसे हुआ।

जानकारी कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) में ही रिकॉर्ड रहती है। इस बीच सी.वी.आर. डेटा से कई सवालों के जवाब मिलने की संभावना है। आइए उनके बारे में आपको बताते हैं... सबसे पहला सवाल है कि कैप्टन सुमीत सभरवाल ने अपने कॉल के दौरान क्या कहा था? इस सवाल के बारे में बात करते हुए पिछले सप्ताह नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि प्रभाव से कुछ सेकंड पहले संकट कॉल प्रसारित किया गया था। कैप्टन सभरवाल ने कथित तौर पर अहमदाबाद एटीसी से कहा था, 'मेडे, मेडे...'। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्होंने पावर और थ्रस्ट के नुकसान की भी सूचना दी थी। लेकिन इसको लेकर कोई पुष्टि नहीं हो सकी है। दुर्घटना से कितने देर पहले पायलट ने विमान में किसी परेशानी का मैसेज भेजा गया? अभी तक की जांच के अनुसार, सरकार ने पुष्टि की है कि विमान ने दोपहर 1.39 बजे उड़ान भरी थी, इसके 36 सेकेंड बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसको लेकर अधिक जानकारी जांच के बाद सामने आ सकेगी। टेक ऑफ होने से विमान के क्रैश होने तक की कुल अवधि में क्या हुआ होगा? रिपोर्ट्स के अनुसार, सीवीआर डाटा की मदद से पता चलेगा कि कैप्टन सभरवाल ने अपना 'मेडे' संदेश किस मिलीसेकंड में भेजा था। वही, इससे पता चल सकेगा कि फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर और उन्हें विमान और उसमें सवार 240 अन्य लोगों (जिनमें 10 क्रू मेंबर भी शामिल थे) को बचाने के लिए कितनी कोशिश की। जांचकताओं को ये भी जानना है कि 'मेडे' कॉल कब भेजी गई थी। ऐसा इसलिए क्योंकि इसी से पता चलेगा कि इमरजेंसी की स्थिति कैसे बनी। यह भी जानने में मदद मिलेगी कि क्या उड़ान के पहले ही विमान में कोई समस्या तो नहीं थी।

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती, चिकित्सकों ने बताया हालत स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की हालत स्थिर है जिन्हें पेट संबंधी समस्या के चलते रविवार शाम को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल की ओर से जारी बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष 78 वर्षीय सोनिया गांधी को रविवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बयान के अनुसार, सर गंगा राम अस्पताल के प्रमुख डॉ. अजय स्वरूप ने कहा, "उन्हें पेट से संबंधित समस्या के लिए सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के तहत कल (रविवार) रात नौ बजे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वर्तमान में उनकी हालत स्थिर हैं और डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।" बीते 9 जून को उनका इसी अस्पताल में चिकित्सा जांच हुई थी। चिकित्सा जांच से दो दिन पहले, उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद उनकी शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में कुछ जांच की गई थी।

ये जो किराए के टट्टू हैं. जी-7 सम्मेलन से पहले कनाडा में खालिस्तानी प्रदर्शन पर भड़के केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी): कनाडा में जी-7 सम्मेलन का आगाज होने वाला है। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के खास बुलावे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं। हालांकि, जी-7 सम्मलेन से पहले खालिस्तानी समर्थकों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का गुस्सा उनपर फूट पड़ा है। हरदीप सिंह पुरी ने खिलास्तानी प्रदर्शनकारियों को किराए का टट्टू करार दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "छोड़ो इनको। कल फिर कोई और वीडियो वायरल होगा। वो (खालिस्तानी समर्थक) पड़ोसी मुल्क

(पाकिस्तान) में धरना देने बैठ जाएंगे क्योंकि वहीं से उन्हें फंडिंग मिलती है। मगर जब फंडिंग नहीं मिलेगी तो वो उन्हीं (पाकिस्तान) पर ही हमला बोल देंगे।" 6वीं बार जी-7 समिट में शामिल होंगे पीएम मोदी बता दें कि साइप्रस की यात्रा के बाद पीएम मोदी आज कनाडा के लिए रवाना होंगे। पीएम मोदी आज और कल यानी 16-17 जून को कनाडा में होने वाले जी-7 सम्मेलन में शिरकत करेंगे। पीएम मोदी को खुद कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने जी-7 समिट में आने का न्यौता दिया है। इसी के साथ बतौर पीएम वो लगातार छठीं बार जी-7 सम्मेलन में शामिल होंगे। पीएम मोदी ने दिया था साफ संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी विदेश यात्रा शुरू करने से पहले ही संदेश दे दिया था कि यह यात्रा भारत के अंतरराष्ट्रीय साझेदारों को धन्यवाद देने के लिए है, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत का साथ दिया है। क्रोएशिया जाएंगे पीएम मोदी वहीं, कनाडा के बाद पीएम मोदी क्रोएशिया जाएंगे। क्रोएशिया की धरती पर कदम रखने वाले वो देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे। इस दौरान पीएम मोदी की मुलाकात क्रोएशिया के राष्ट्रपति जोरान मिलानोविक और प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक से होगी।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर साधा निशाना, जमाई आयोग बनाने की सलाह, जानें क्या है पूरा मामला

बिहार (एजेंसी): बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि एनडीए नेताओं और कुछ सेवानिवृत्त नौकरशाहों के रिश्तेदारों को हाल ही में राज्य महिला आयोग सहित विभिन्न राज्य आयोगों के अध्यक्ष और सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। कई आयोगों के गठन और विभिन्न पदों पर नियुक्तियों पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए तेजस्वी ने कहा कि अब नीतीश कुमार सरकार को राजनीतिक नेताओं के करीबी रिश्तेदारों को समायोजित करने के लिए जमाई आयोग (दामाद आयोग) बनाना चाहिए। क्या यह भाई-भतीजावाद का स्पष्ट उदाहरण नहीं है? मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राजद नेता ने कहा कि हम

मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे बिहार में आधिकारिक तौर पर दामाद आयोग का गठन करें। नियुक्तियाँ अब योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर होती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत रामविलास पासवान, जीतन राम मांझी और अशोक चौधरी जैसे राजनीतिक हस्तियों के दामादों को विभिन्न आयोगों में महत्वपूर्ण पद दिए गए हैं। तेजस्वी ने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक प्रसाद की पत्नी को महिला आयोग का सदस्य बनाए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, "उन्हें शिक्षाविद् के पद पर नियुक्त किया गया है। क्या कोई और नहीं मिला? चौंकाने वाली बात यह है कि उन्होंने अपने पति का नाम भी छिपाया और अपने पिता का नाम दर्ज करा दिया।" उन्होंने दावा किया कि राज्य में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में उपमुख्यमंत्री समेत 50 प्रतिशत से अधिक मंत्री वंशवादी राजनीति की उपज हैं। फिर भी, लालू प्रसाद की अक्सर वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने के लिए आलोचना की जाती है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राजद नेता ने कहा कि हम मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे बिहार में आधिकारिक तौर पर दामाद आयोग का गठन करें।

मल्लिकार्जुन खड़गे का आरोप, मनरेगा का खर्च रोकने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर खत्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60% तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का कानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। खड़गे ने सवाल करते हुए कहा कि क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है क्योंकि वो गरीबों की जेब से करीब ड्ड25,000 करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, मांग ज्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से खर्च करने पड़ते हैं? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि चूंकि मनरेगा

एक मांग-संचालित योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में माँग की वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य दिल्ली के बावजूद रोजगार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? क्या ये सच नहीं कि एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7% परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है? (लिब टेक, 21 मई तक) करीब 7 करोड़ पंजीकृत वर्कर्रों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगा बाहर क्यों किया गया? उन्होंने आगे पूछा कि 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया? गरीब विरोधी मोदी सरकार, मनरेगा मजदूरों पर जुल्म ढाने पर क्यों उतारू है? खड़गे ने कहा कि मनरेगा पर खर्च रोकने की कुल्हाड़ी, हर गरीब के जीवन पर मोदी सरकार द्वारा किया गया गहरा आघात है ! कांग्रेस पार्टी इसका घोर विरोध करेगी। हम अपनी दो माँगों पर कायम हैं – पहली, मनरेगा श्रमिकों के लिए रोजाना 400 की न्यूनतम मजदूरी तय की जाए। दूसरी, साल में कम से कम 150 दिन का काम मिले।

हरियाणा में कचरे से कोयला बनाने की तैयारी, फरीदाबाद और गुरुग्राम में लगेंगे प्लांट

चंडीगढ़ (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में संचालित कचरे से कोयला बनाने की परियोजना पर हरियाणा सरकार काम करने की तैयारी में है। दो सफल ट्रायल के बाद प्रधानमंत्री ने 600 टन कचरे से 200 टन कोयला तैयार करने के राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के इस प्रोजेक्ट को करीब एक साल पहले आरंभ किया था। हरियाणा के शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने विभाग के अधिकारियों के साथ इस परियोजना का दौरा किया और वहां कचरे से कोयला बनाने की पूरी प्रक्रिया को समझा। हरियाणा में कूड़ा निस्तारण बहुत बड़ी समस्या है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गुरुग्राम और फरीदाबाद के साथ ही सोनीपत, पंचकूला, करनाल और पानीपत इस समस्या से सबसे अधिक जूझ रहे हैं। हरियाणा सरकार की कूड़े से कोयला बनाने की परियोजना सिरे चढ़ी तो

राज्य में कूड़ा निस्तारण की समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकेगा, साथ ही प्रदूषण की समस्या से निजात मिलेगी और प्रदेश स्वच्छता की ओर बढ़ेगा। आरंभ में गुरुग्राम और फरीदाबाद में वाराणसी की तर्ज पर यह प्लांट लगाए जाएंगे। इनके नतीजे अच्छे रहे तो राज्य के बाकी जिलों में भी ऐसे प्लांट लगाने की दिशा में प्रस्ताव तैयार होंगे। शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने विभाग के अधिकारियों को कूड़े से कोयला बनाने की परियोजना तैयार करने के लिए प्रस्ताव बनाने के आदेश दिए हैं। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। हरियाणा के 88 शहरों में हर रोज करीब 10 हजार टन कूड़ा निकलता है, जिसमें से सिर्फ 50 प्रतिशत ही प्रोसेस हो पाता है। शहरों में निकलने वाले 9700 टन कूड़े में से 7200 टन कूड़ा एकत्र करने में सफलता मिलती है, जबकि इसमें से 4800 टन कूड़ा उपचारिता हो पाता है।

जनगणना अधिसूचना पर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- खोदा पहाड़, निकली चुहिया

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि जनगणना को लेकर जारी अधिसूचना खोदा पहाड़ा, निकली चुहिया जैसी है और इसमें जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाते हुए, केवल जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए। सरकार ने सोमवार को वर्ष 2027 में जातिगत गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी की। पिछली बार ऐसी जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी। अधिसूचना में कहा गया है कि लद्दाख जैसे बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना एक अक्टूबर 2026 से तथा देश के बाकी हिस्सों में एक मार्च 2027 से की जाएगी। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, लंबे इंतजार के बाद बहुप्रचारित 16वीं जनगणना की अधिसूचना आखिरकार जारी हो गई है। लेकिन यह एकदम खोदा पहाड़, निकली चुहिया जैसी है क्योंकि इसमें 30 अप्रैल 2025 को पहले से घोषित बातों को ही दोहराया गया है। उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि कांग्रेस की लगातार मांग और दबाव के चलते ही प्रधानमंत्री को जातिगत

गणना के साथ जनगणना कराने के मसले पर झुकना पड़ा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने इसी मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं को अर्बन नक्सल तक कह दिया था। संसद हो या उच्चतम न्यायालय, मोदी सरकार ने जातिगत गणना के साथ जनगणना कराने के विचार को सिरे से खारिज कर दिया था। अब से ठीक 47 दिन पहले, सरकार ने खुद इसकी घोषणा की। रमेश के अनुसार, आज की राजपत्र अधिसूचना में जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने सवाल किया, क्या यह फिर वही यू-टर्न है, जिसके लिए प्रधानमंत्री मोदी अपनी पहचान बना चुके हैं? या फिर आगे इसके विवरण सामने आयेंगे? रमेश ने जोर देकर कहा, कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाया जाए। यानी सिर्फ जातियों की गिनती ही नहीं बल्कि जातिवार सामाजिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी जुटाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा, तेलंगाना के जातिगत सर्वेक्षण में 56 सवाल पूछे गए थे। अब सवाल यह है कि 56 इंच की छाती का दावा करने वाले नॉन बायोलॉजिकल व्यक्ति में क्या इतनी समझ और साहस है कि वह 16वीं जनगणना में भी 56 सवाल पूछने की हिम्मत दिखा सकें?

कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि जनगणना को लेकर जारी अधिसूचना खोदा पहाड़ा, निकली चुहिया' जैसी है और इसमें जातिगत गणना का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 16वीं जनगणना में तेलंगाना मॉडल अपनाते हुए, केवल जातियों की...

संपादकीय

युद्ध की लपटें

इजरायल के ईरान पर भीषण हमले और ईरान के जवाबी हमले से दुनिया की सांसें अटकी हैं। हालांकि लड़ाई फिलहाल दो देशों तक सीमित दिख रही है लेकिन बड़ा सवाल है कि इजरायल के हौसले कहां तक बढ़ेंगे। उसने गाजा को मटियामेट कर दिया है। लेबनान और यमन पर जब देखो तब हमले करता रहता है। हिज्बुल्लाह और हूतियों के खिलाफ मोर्चे पहले ही खुले हुए हैं। अब वह ईरान के पीछे पड़ गया है। बहाना ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने का है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाएं दोनों देशों से संयम बरतने की अपील मात्र कर पा रही हैं। इजरायल को अमेरिका का खुल्लमखुल्ला साथ मिला हुआ है। उसके हमलावर तेवरों और अकड़ से यह बात साफ झलकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ तो ईरान के साथ परमाणु वार्ता कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उनका उद्देश्य सिर्फ ईरान को दबाना है। ईरान पहले ही कह चुका है कि वह परमाणु हथियार बनाने की बजाय शांतिपूर्ण उपयोग तक सीमित रहने की संधि करने को तैयार है। इसके बावजूद इजरायल ने भीषण हमले कर ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को भारी क्षति पहुंचाई और कई परमाणु वैज्ञानिकों और जनरलों को मार डाला। उसे उम्मीद नहीं थी कि ईरान जवाबी हमले भी कर सकता है लेकिन क्षति के बावजूद ईरान ने जवाबी हमले कर इजरायल को दहला दिया है। अगर दोनों देशों में लड़ाई और फैलती है तो क्या होगा? परिस्थितियां भयावह हालात की ओर संकेत कर रही हैं। इजरायल को कौन रोकेगा जब ट्रंप उसका साथ देते हुए ईरान को ही सलाहियतें दे रहे हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों का रुख गोलमोल है। ले दे कर ईरान के पक्ष में रूस और चीन के ही आने की उम्मीद बन सकती है, लेकिन रूस पहले ही यूक्रेन के साथ तीन साल से युद्ध में उलझा हुआ है, और फिलहाल उसके इससे बाहर निकलने की सूरत दूर-दूर तक नहीं दिखती। बचा चीन तो वह सबसे पहले अपने व्यापारिक हितों को देखेगा। ट्रंप की चालबाजियों से आजिज ईरान पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर हमला बोल सकता है जैसे कि इराक में स्पेशल फोर्सेज, खाड़ी में सैन्य अड्डे और क्षेत्र में मौजूद राजनयिक मिशनों को भी निशाना बनाया जा सकता है। हमास और हिज्बुल्लाह जैसे ईरान के प्रॉक्सी बलों की ताकत बहुत कुछ कम हो चुकी है, लेकिन वे चुके नहीं हैं। अमेरिका अगर युद्ध में कूदा तो रूस और चीन को रोकना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे हालात में क्या होगा कोई नहीं जानता।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा।

वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका।

बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा।

विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है। इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019' की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी

उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

जी-7 शिखर सम्मेलन : मोदी की भूमिका है बड़ी

डॉ. एस.पी. शाही

जून 16-17, 2025 को कनाडा के कनानास्किस में आयोजित होने वाला 51वां जी-7 शिखर सम्मेलन न केवल इस समूह की 50वीं वर्षगांठ का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक नेतृत्व के एक नये संतुलन की भी झलक देता है।

भले ही भारत जी-7 का औपचारिक सदस्य अभी नहीं है, किंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निरंतर और प्रभावी उपस्थिति इस मंच पर भारत की बढ़ती रणनीतिक महत्ता को तो दर्शाती ही है।

इस वर्ष भारत की जी-7 शिखर सम्मेलन में 12वीं सहभागिता होगी जबकि जी-7 शिखर सम्मेलन में यह प्रधानमंत्री मोदी की छठी उपस्थिति है।

यह तथ्य स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत को अब केवल एक आमंत्रित देश के रूप में ही नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श में एक सक्रिय भागीदार के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में निरंतर सहभागिता ने भारत की भूमिका को केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि स्वयं को एक वैश्विक नीति-निमार्ता के रूप में भी स्थापित किया है।

वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है, जिसकी जीडीपी कई जी-7 देशों विशेषकर-फ्रांस, इटली और कनाडा-से अधिक हो चुकी है। भारत का यह आर्थिक प्रभाव ध्यान खींचता है। इसके साथ ही भारत का युवा जनसांख्यिकीय लाभ और तकनीकी क्षमता यकीनन उसे एक वैश्विक साझेदार के रूप में और भी अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने ह्यग्लोबल साउथह्ल की आवाज को प्रभावशाली ढंग से विश्व मंचों पर प्रस्तुत किया था जिससे उसकी रणनीतिक स्थिति और भी सुदृढ़ हुई है।

भारत का जी-7 शिखर सम्मेलन में दृष्टिकोण बहुआयामी रहा है। इसलिए कि वह इस मंच को केवल आर्थिक नीति निर्धारण का अवसर भर नहीं मानता, बल्कि जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर साझा रणनीति तैयार करने के लिए एक अवसर के रूप में भी देखता है। इस वर्ष के जी-7 एजेंडे के तीन प्रमुख स्तंभ हैं-1. शांति और सुरक्षा की रक्षा, 2. ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन, और 3. भविष्य के लिए साझेदारी। इन सभी में भारत की नीति और प्राथमिकताएं प्रतिध्वनित होती हैं।

कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई), खनिज सुरक्षा और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में भारत का योगदान इस कदर रहा है कि भारत आज विश्व में एआई के अनुसंधान एवं विकास में भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान, भारत स्टैक जैसे नवाचारों ने भारत को टेक्नोलॉजिकल सुपरपावर के रूप में उभारा है। जी-7 में यह अनुभव साझेदारी के रूप में काम आ सकता है, विशेषकर विकासशील देशों की डिजिटल समावेशिता में।

भारत लगातार इस बात पर बल देता आया है कि वैश्विक निर्णयों में विकासशील देशों की चिंताओं को समुचित स्थान मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 जैसे मंचों पर बार-बार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका की समस्याएं भी वैश्विक एजेंडे का हिस्सा बनें। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में भागीदारी के साथ कई द्विपक्षीय वार्ता बैठकें भी प्रस्तावित हैं। ये वार्ताएं भारत की रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने का अवसर देंगी, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में संयुक्त निवेश, आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण और रक्षा सहयोग के क्षेत्र में।

जी-7 शिखर सम्मेलन अब केवल एक पश्चिमी देशों का क्लब भर नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा मंच बन चुका है जहां वैश्विक नेतृत्व की नई परिभाषाएं लिखी जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल एक श्रोता या दर्शक भर नहीं रहा, बल्कि वह एक निर्णायक आवाज भी बन चुका है। भारत का दृष्टिकोण वैश्विक समरसता, साझा विकास और समावेशी भविष्य की ओर केंद्रित है, और जी-7 जैसे मंच भारत को इसी वैश्विक भूमिका को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। कहा जा सकता है कि भारत

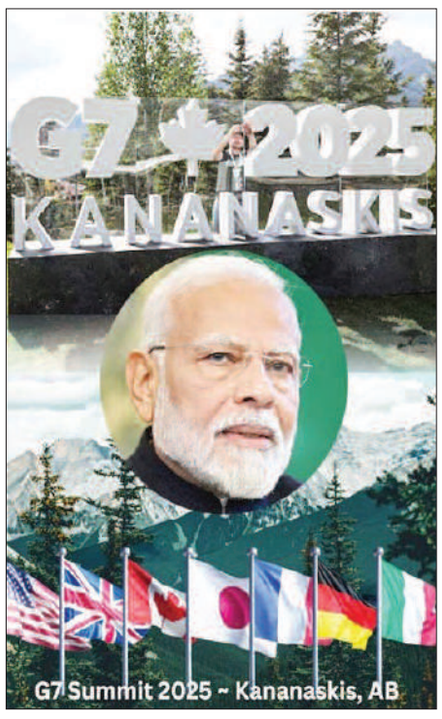

की भागीदारी, केवल उपस्थिति नहीं दर्ज कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका अपना एक अलग प्रभाव है।

(लेखक मगध विविश्व के कुलपति हैं। लेख में विचार निजी हैं)

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार-पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक-दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इजराइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान-इजराइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इजराइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे।

वैसे ईरान ने इजराइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इजराइल को ₹डि-फैक्टो₹ मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई।

हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रजा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इजराइल को तेल की जरूरत थी, जोकि ईरान के पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के जरिए

इजराइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इजराइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950-70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे।

इसके अलावा, इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक (SAVAK) के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही ₹ळ१ल्लि३₹ परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इजराइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इजराइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई।

हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन PLO को दे दिया गया। इजराइल को इस्लाम का भी दुश्मन घोषित करने के बाद ईरान ने हिजबुल्ला और हमास को मदद देनी शुरू की जोकि आज तक जारी है।

वैसे इस तरह की भी रिपोर्टें समय-समय पर आती रहीं कि ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी के दौर में भी गुप्त रूप से कारोबार चलता रहा। बताया जाता है कि 1980 में जब ईरान और इराक के बीच जंग हुई, तो इजराइल को महसूस हुआ कि इराक ज्यादा खतरनाक है। इसलिए अमेरिका और इजराइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को लड़ने के लिए हथियार भेजे थे। लेकिन जब 1990 के दशक में ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया तो इजराइल ने उसे सबक सिखाने की ठान ली और अब जब तेहरान परमाणु बमों के निर्माण से चंद कदम ही दूर रह गया था तो इजराइल ने बड़ा हमला करते हुए आयतुल्ला खामेनेई के सपनों को तोड़ डाला। इजराइल ने सीधा हमला करने से पहले ईरान के हमास और हिज्बुल्ला जैसे सहयोगियों की कमर तोड़ी और पिछले कुछ महीनों में कई अभियानों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता को भी परखा, उसके बाद यह बड़ी कार्रवाई की गयी।

बहरहाल, देखा जाये तो 1948 से 1970 तक का ईरान-इजराइल संबंध एक ऐसा अध्याय है जो आज के उथल-पुथल भरे पश्चिम एशिया की राजनीति में लगभग भुला दिया गया है। इस काल में दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और आर्थिक संबंध थे, जो आज की स्थिति को देखते हुए विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। वैसे ईरान और इजराइल का वह गुप्त मैत्री संबंध इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी दोस्त और दुश्मन नहीं होते, केवल हित और परिस्थितियाँ ही दोस्त या दुश्मन बनाती हैं।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' के अंतर्गत बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 11,690 आश्रित परिवारों को ड्561.86 करोड़ सहायता राशि का वितरण शिव बाबा पावन धाम, जनपद अम्बेडकरनगर से आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। जनपद अमरोहा में 129 प्रकरणों में 135 लाभार्थियों को 6 करोड़ 31 लाख रुपए की मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत डेमो चेक वितरित किये गए। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप द्वारा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेन्द्र सिंह, माटी कला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश गोला जी को और उप जिलाधिकारी नौगावां सदात सुनीता सिंह द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष जनपद अमरोहा शशि जैन को बुके देकर स्वागत किया गया। ब्लॉक प्रमुख गुरेंदर सिंह ने कहा कि सरकार किसानों के लिए निकल कर रही है 2019 से अब तक कृषकों को 38 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार बिना किसी भेदभाव के बिना किसी जाति धर्म के सबका साथ सबका विकास के पथ पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही है जिनसे लाभार्थियों को लाभ प्राप्त हो रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि इस राशि से आपके परिवार का सदस्य वापस नहीं आ सकता, लेकिन इससे आपके सहारा प्रदान होगा। उन्होंने उपस्थित सभी को जानकारी देते हुए कहा कि सरकार द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से विभिन्न योजनाएं जैसे निराश्रित महिला पेंशन,महिला विधवा पेंशन, किसान सम्मन निधि आदि सहित अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने का उपस्थित महिलाएं जनपद में संचालित महिला समूह से जुड़कर अपने आजीविका शुरू कर सकती हैं और वह उनके जीवन यापन में सहयोग मिलेगा। यह योजना उन किसानों और उनके परिवारों के लिए आशा की किरण है, जिन्होंने अकाल दुर्घटनाओं में अपनों को खोया है। और शासन की संवेदनशीलता का एहसास कराया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप, उप जिलाधिकारी नौगावां सादात सुनीता सिंह सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं लाभार्थी गण उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- बछरायूं थाना क्षेत्र में गजरौला धनौरा मार्ग पर एक बाइक व बोलेरो पिकअप की आमने-सामने से टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद युवक को एंबुलेंस द्वारा गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सा अधीक्षक डॉ योगेन्द्र सिंह ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस द्वारा युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक पूरा मामला थाना बछरायूं क्षेत्र के गजरौला धनौरा मार्ग स्थित गांव फत्तेहपुर के निकट का बताया जा रहा है। जहां सोमवार को गांव चाकीखेड़ा थाना गजरौला अमरोहा निवासी महेश उर्फ बंटी पुत्र हरिसिंह की बाइक तेज रफ़्तार पिक अप गाड़ी से बुरी तरह टकरा गई। जिसमें बाइक सवार बंटी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बारे में जानकारी देते हुए मृतक के भाई बोबी ने बताया कि बंटी धनौरा क्षेत्र स्थित पेट्रोल पंप पर ड्यूटी करता था। सोमवार को भी वह बाइक से पेट्रोल पंप से ड्यूटी करके घर वापस लौट रहा था, जैसे ही वह गांव फत्तेहपुर के निकट पहुंचा तो सामने से आ रही तेज रफ्तार पिक अप गाड़ी से उसकी सामने से टक्कर हो गई जिसमें उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक सवार बंटी को गजरौला सीएचसी लाया गया जहां चिकित्सा अधीक्षक ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल संबंधित थाना क्षेत्र पुलिस द्वारा मृतक बंटी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और परिजनों की तरफ से तहरीर मिलने पर ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

बिजली समस्याओं को लेकर भाकियू (असली) के मंडल अध्यक्ष ने की मुख्य अभियंता से वार्ता

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- सोमवार को भारतीय किसान यूनियन असली के मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह के नेतृत्व में बिजली समस्याओं को लेकर प्रतिनिधिमंडल मुख्य अभियंता गजरौला से वार्ता की।इस दौरान उन्होंने मुख्य अभियंता से बिजली से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि खराब ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द बदलवाया जाए। अवर अभियंता किसानों की बिजली समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है, विधुत कटौती बंद की जाए। उन्होंने डींगरा बिजली घर की क्षमता वृद्धि को लेकर मुख्य अभियंता से विशेष चर्चा की, जिस पर मुख्य अभियंता द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए विधुत अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि डींगरा बिजली घर की क्षमता वृद्धि संबंधित दस्तावेज जल्द से जल्द तैयार करें। जिससे डींगरा बिजली घर की क्षमता वृद्धि समय रहते हो सके।उधर भारतीय किसान यूनियन असली ने अल्टीमेटम दे रखा है कि यदि 18 जून तक डींगरा बिजली घर पर 05 M.V.A का ट्रांसफार्मर नहीं पहुंचा तो 19 जून से डींगरा बिजली घर पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन असली के मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह ने 19 जून दोपहर 12 बजे तक अधिक से अधिक संख्या में किसानों से पहुंचने की अपील की।इस मौके पर वहां मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह, नरेश कुमार, राजेन्द्र यादव, सचिन कौशिक,मनीष यादव,काविन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जिले में ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारियों के हुए तबादले

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद में विकास खंडों पर ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिवों के तबादले किए गए। वहीं जिले में तीन ग्राम विकास अधिकारिय और 5 ग्राम पंचायत अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारियों में नेपाल सिंह को विकासखंड गजरौला से विकास खण्ड जोया में तैनाती मिली है। इसी के साथ धर्मेंद्र सिंह को विकासखंड गजरौला से विकास खण्ड हसनपुर और अमरजीत सिंह को विकासखंड गजरौला से विकास खण्ड जोया पर तैनात किया गया है। वही ग्राम पंचायत अधिकारियों में यशपाल सिंह को विकास खण्ड हसनपुर से विकास खण्ड गंगेश्वरी, हेमलता को विकासखंड अमरोहा से विकासखंड जोया, पृथ्वी सिंह को विकासखंड जोया से विकासखंड गजरौला, जाहिद खां को विकासखंड जोया से विकासखंड गजरौला, राजकुमार को विकासखंड जोया से विकासखंड गजरौला पर तैनाती मिली है। इस दौरान जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी और जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारियों के तबादले कि सूची पर मोहर लगा दी है। जल्द ही ग्राम पंचायत अधिकारी ब्लॉक पर तैनात होकर अपनी ग्राम पंचायत का कार्यभार संभालेंगे।

नवचयनित आरक्षियों को ही नहीं, सरकार को भी ऊर्जा दे गए भाजपा के चाणक्य शाह

लखनऊ : भीषण गर्मी में भी पंडाल के नीचे बैठे 60,244 नवचयनित आरक्षियों का न हौसला कम था और न ही मंच पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ऊर्जा। शाह ने अभ्यर्थियों को 'भाइयों-बहनों' से संबोधित कर उनके प्रति आत्मीयता का भाव प्रकट किया। कहा, दोनों हाथ उठाइये .... उप्र में सुरक्षा का माहौल बनाने के संकल्प से मुट्ठी भींचिए और प्रचंड आवाज से बोलिए ... भारत माता की जय। अभ्यर्थियों ने भी पूरे जोश से जयकारा लगाया। इसके बाद शाह ने उन्हें शुभकामनाएं देने के साथ ही सुशासन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश दिया। समारोह भले ही अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण का था पर मंच पर शाह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी की मौजूदगी ने बड़ा संदेश भी दिया। विपक्ष की ओर से समय-समय पर शाह व योगी के बीच रिश्तों की खटास को लेकर किए जाने हमलों की धार को भी कुंद किया। भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले शाह ने योगी व राज्य सरकार की कार्यशैली की प्रशंसा कर विपक्षी दलों द्वारा बार-बार जताई जाने वाली आशंकाओं कि भाजपा सरकार व संगठन में सबकुछ ठीक नहीं है, पर भी विराम लगा दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सबसे बड़ी पुलिस भर्ती के अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित कर अपनी राजनीतिक कुशलता का परिचय दिया। वह शाह को आमंत्रित करने खुद दिल्ली गए थे। शाह ने भी अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ को लोकप्रिय व सफल मुख्यमंत्री और केशव प्रसाद मौर्य को मेरे मित्र व उप मुख्यमंत्री कहकर संबोधित किया। अभ्यर्थियों को मित्रों कहकर भी पुकारा। वह मंच पर मुख्यमंत्री योगी से कई बार कुछ बतियाते नजर आए। एक अभिभावक के भाव में शाह ने केंद्र सरकार की योजनाओं को उत्तर प्रदेश में सही गति से बढ़ाए जाने पर संतोष जताया और इसके लिए

ब्लॉक क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कराने के लिए मुख्यमंत्री से मिले ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेंद्र सिंह

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद में विकासखंड अमरोहा क्षेत्र में हो रही समस्याओं का समाधान कराने के लिए अमरोहा ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेंद्र सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले। जहां उन्होंने ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में रहने वाले लोगों को हो रही समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के समक्ष रखा। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि विकासखंड क्षेत्र में बान नदी के पुनर्जीवन कैंसर रोड क्रॉसिंग पर सेतु बनवाए जाने ओर नौगांवा सादात निकट बान नदी मध्य गंगा नहर के नीचे से होकर गुजरती है। वर्ष 2019 में बन नदी के पुनर्जीवन की बाकायदा शुरू हुई थी । और फरवरी 2021 में महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी बान नदी का दौरा किया था। लेकिन अभी तक बन नदी में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। इसी के साथ कैंसर रेलवे क्रॉसिंग पर प्रतिदिन घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। और जाम की स्थिति भयावह होती जाएगी। प्रतिनिधि मंडल ने कैलसा रेलवे क्रॉसिंग पर सेतु निर्माण की मांग की, नौगांवा मार्ग से जब्दा मुनव्वरपुर पिपली घोसी होते हुए धनोरा मार्ग का सड़क के लिए मांग की। हालांकि मुख्यमंत्री जी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना। जिसके बाद उन्होंने इस समस्याओं का समाधान करने का शोषण दिया है।

हसनपुर पुलिस द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले 03 अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से 212.42 कि0ग्रा0 अफीम डोडा पोस्त बरामद

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- मादक पदार्थो की तस्करी व क्रय-विक्रय की रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध व अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हसनपुर वरूण कुमार के कुशल नेतृत्व में थाना हसनपुर पुलिस द्वारा सोमवार को मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले 03 अभियुक्तों को मय पिकअप गाडी रजि0नं0 UP13AT1986 में कुल 212.42 कि0ग्रा0 अफीम डोडा पोस्ता प्लास्टिक के अलग - अलग 15 कट्टे (अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 11 लाख 80 हजार रुपये) के साथ गिरफ्तार किया गया। सोमवार को थाना हसनपुर पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान सूचना पर समय करीब 02.45 बजे कस्बा हसनपुर में हैबतपुर रोड कब्रिस्तान के पास हिलाल की खाली पडी प्लाटिंग के पास से मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले 03 अभियुक्तों 1.अबरार पुत्र निजाम अली नि0ग्राम कुंण्डा थाना सरसावा जिला सहारनपुर हाल निवासी अब्दुल्ला कालोनी कस्बा व थाना हसनपुर जनपद अमरोहा 2. गयूर पुत्र अब्दुल शकूर नि0अब्दुल्ला कालोनी कस्बा व थाना हसनपुर जनपद अमरोहा 3. जीशान पुत्र असगर नि0अब्दुल्ला कालोनी कस्बा व थाना हसनपुर जनपद अमरोहा को पिकअप गाडी रजि0नं0 UP13AT1986 में कुल 212.42 कि0ग्रा0 अफीम डोडा पोस्ता (अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 11 लाख 80 हजार रुपये) प्लास्टिक के अलग - अलग 15 कट्टो के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना हसनपुर पर मु0अ0सं0 230/2025 धारा 8/15 N.D.P.S. ACT पंजीकृत कर अभि0गण अबरार आदि 03 उपरोक्त को समय से मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

रजबपुर के अतरासी स्थित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट,चार महिला श्रमिक की मौके पर मौत

विस्फोट में आधा दर्जन से अधिक श्रमिक गंभीर रूप से घायल

रजबपुर/अमरोहा(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव अतरासी में स्थित पताका फैक्ट्री में विस्फोट होने से चार महिला श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई एवं आधा दर्जन से अधिक श्रमिक इस हादसे में घायल हो गए। विस्फोट होते ही चारों तरफ अपना तरीका माहौल बन गया। उधर सूचना मिलते ही डीएम अमरोहा और एसपी ने पहुंचकर घटनास्थल का माय ना किया। बता दें कि थाना रजबपुर क्षेत्र के गांव अताशी के जंगलों में स्थिति पटाखा फैक्ट्री में सोमवार को अचानक तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना जबरदस्त था की फैक्ट्री की टीन शेड और दीवार पूरी तरह ध्वस्त हो गई। इस हादसे में चार महिला श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई और आधा दर्जन से अधिक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा होते ही चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। धमाके की आवाज सुनकर आस-पास के गांवों के लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए। उधर सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई जिसने राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया।इस दौरान रेस्क्यू टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला गया।प्रशासन ने हादसे की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन कर दिया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि पूरे मामले की गहनता से जांच कराई जा रही है। समिति को सभी पहलुओं की पड़ताल करने के निर्देश दिए गए हैं। फैक्टरी मालिक के लाइसेंस और उससे जुड़े दस्तावेज भी खंगाले जाएंगे। डीएम ने बताया कि मौके पर चार महिलाओं की मौत हुई है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार फैक्टरी हापुड़ निवासी व्यक्ति की बताई जा रही है। इससे पहले एक मई को गांव भावली में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हो गया था।इसकी चपेट में आकर एक बच्चा झुलस गया था। पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी। बताया गया कि पिछले कई माह से रहरा क्षेत्र के गांव भावली में नदी के पास एक मकान में अवैध रूप से पटाखा फैक्टरी का संचालन हो रहा था। इसमें फुलझड़ी से लेकर कई तरह के पटाखों की पैकिंग व निर्माण कराया जा रहा था। इसमें गांव व आसपास के लोगों मजदूरी पर काम भी प्रतिदिन दिया जाता था। गांव की एक महिला अपने बच्चे को लेकर मजदूरी करने गई थी। बताते हैं कि बच्चा फुलझड़ी जलाने लगा, जिससे विस्फोट हो गया। वहां मौजूद लोगों ने उस पर काबू कर लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध पटाखा फैक्टरी संचालित की जा रही थी।

भाकियू शंकर का अमरोहा कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना- प्रदर्शन

रोड जाम कर जमकर की नारेबाजी

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने सोमवार को किसान समस्याओं को लेकर अमरोहा कलेक्ट्रेट पर विशाल धरना-प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की है । वहीं संगठन से जुड़े हजारों कार्यकर्ता व किसान इस धरने प्रदर्शन में शामिल हुए। दोपहर 11:30 बजे से अमरोहा कलेक्ट्रेट पर आयोजित इस धरना- प्रदर्शन की अध्यक्षता विक्रम पंवार व इसका संचालन प्रदेश मास्टर नौबहार सिंह ने किया। वहीं सैकड़ों की संख्या में मौजूद संगठन- के कार्यकताओं व किसानों ने सड़क पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे करीब आधे घण्टे तक जाम की स्थिति बनी रही। वहीं मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने किसानों से वार्ता करते हुए उनकी सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। भाकियू शंकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कुतुबपुर-हमीदपुर गांव में बीती 7 जून को आदमखोर तेंदुए ने

आधा दर्जन किसानों को गंभीर रूप से घायल कर दिया, वहीं इस दौरान अज्ञात कारणों से तेंदुए की भी मौत मृत्यु हो गई। लेकिन वन विभाग के द्वारा पीड़ित किसानों पर मुकदमें दर्ज करते उन्हें जेल भेज दिया। इसमें घायल हुए सभी किसानों को एक लाख रुपये मुआवजा व उन पर लगे सभी मुकदमो को समाप्त किया जाना चाहिए। चक्कालीलेट गांव में कंटेनर डिपो के लिएं अधिग्रहित की जाने वाली जमीन का मुआवजा 20 लाख रुपये प्रति बीघा दिया जाना चाहिए, इसके साथ ही प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी भी भी दी जानी चाहिए। जनपद के किसानों का अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। जनपद के गठन हुए 28 वर्ष बीत जाने के बाद भी जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन नहीं हो पाया है,नवीन जनपद अमरोहा के गठन का उद्देश्य जनपद के नागरिकों को बेहतर आर्थिक सुविधाएं देना व उनका अधिक से अधिक विकास करना है, इसके लिएं जिला सहकारी बैंक अमरोहा का गठन करते हुए इसका मुख्यालय भी अमरोहा शहर में ही स्थापित किया जाए। किसानों को उर्वरक खाद के साथ में जबरन तरीके से नैनो यूरिया-

डीएपी दिया जा रहा है जिस पर प्रशासन को तत्काल रूप से रोक लगानी चाहिए। इस दौरान मौके पर पहुंचे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों में सीओ अमरोहा शक्ति सिंह, डिडौली कोतवाल हर्षवर्धन सिंह, बालेन्द्र सिंह थाना इंचार्ज अमरोहा देहात,डिप्टी कलेक्टर पुष्करनाथ चौधरी, तहसीलदार अमरोहा, जिला आपूर्ति अधिकारी, वन विभाग के अधिकारियों ने किसानों से वार्ता करते हुए उनकी सभी समस्याओं के समाधान की बात कही है, जिसमें तेंदुए के हमले में घायल सभी किसानों के खाते में एक-एक लाख रुपये भेजे जाएंगे, इसके साथ ही किसानों पर दर्ज किये गए मुकदमों को भी विवेचना में समाप्त कर दिया जाएगा। चक्कालीलेट गांव में कंटेनर डिपो के लिएं अधिग्रहित की जाने वाली जमीन भी किसानों की सहमति पर ही ली जाएगी। वहीं किसानों का अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान भी 30जून तक कराए जाने का आश्वासन दिया गया है। किसानों को खाद व उर्वरक के साथ अगर जबरन तरीके से नैनो यूरिया दिया जाता है तो किसानों द्वारा उसकी शिकायत डीएम व जिला कृषि अधिकारी से की जाए, जिस पर तत्काल रूप से कार्यवाही की जाएगी। धरना- प्रदर्शन में प्रदेश प्रवक्ता प्रिंसिपल सत्यवीर सिंह चौधरी धर्मवीर सिंह,नेमपाल सिंह, प्रधान बृजेश सैनी, हुकम सिंह ,शेर सिंह राणा, जगत सिंह चौहान, सतवीर सिंह, राजकुमार, गजराम चौहान संजय चौहान राकेश रतनपुर, सत्येंद्र सिंह, चंद्रपाल सिंह, खेमपाल सिंह, सरदार हरप्रीत, सुंदर सिंह, सुभाष यादव, नरेश गुर्जर, रामनिवास गुर्जर, मोनू चौधरी, संजीव कुमार, राजपाल सैनी ,रवि पप्पू, अनिल भटनागर, अशोक चौधरी बबीता रानी मंजू पूनम चौधरी जरीना रेखा देवी सर्वेश देवी क्रांति देवी संतोष देवी माया देवी ज्योति कुसुम देवी मनजीत सिंह अमित भारत मुकुट लाल सैनी संजय सैनी उमेश सैनी ब्रह्मपाल सैनी, सचिन कुमार, मयंक चौधरी, प्रीत सिद्धू, नरेश, पप्पू, समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व किसान मौजूद रहे।

नेपाल के लकी थापा पहलवान ने राजस्थान के मुन्ना टाइगर को दी पटकनी

दंगल देखने को उमड़ी हजारों की भीड़

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- हजरत शेख दाऊद बंदगी रहमतुल्लाह अलेह के उर्स के अवसर पर चल रहे विशाल दाऊदिया दंगल में पहलवानों ने अपने-अपने उस्ताद के जौहर दिखाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दर्शकों ने भी तालियां की गड़गड़ाहट के साथ उनकी हौंसला अफजाई की। नगर पंचायत उझारी में चल रहे विशाल दाऊदिया दंगल में पूरे भारत सहित विदेशों से भी पहलवान पधारे हैं। जिनकी शौहरत सुनकर क्षेत्र की हजारों की संख्या में दर्शन उमड़ पड़े। विशाल दाऊदिया दंगल में सोमवार को मुख्य रूप से रिहान पहलवान हरियाना ने सुनील पहलवान बिहार को, इस्तकार पहलवान उझारी ने तीर बहादुर पहलवान मैनपुरी को, लकी पहलवान थापा नेपाल ने मुन्ना टाइगर पहलवान राजस्थान को, मोनिस बाबा फकीर पहलवान ने बबलू पहलवान बलरामपुर को, मौसम अली पहलवान पहलवान ने नकाबपोश पहलवान को, आसिफ पहलवान जलालाबाद ने शेरा पहलवान आगरा को चित कर अपनी जीत का परचम लहराया। इस अवसर पर मुख्य रूप से चौधरी इक्तेदार उर्फ बुद्धन भैया, हाजी कल्लन, भूरे मिस्त्री, वसीम अहमद, शादाब मंसूर, मोबीन अहमद, हकीम चमन, अलाउद्दीन सैफी आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डीजीसीए ने मांगी सऊदी अरबिया एयरलाइन के विमान के पहिए से धुआं निकलने की रिपोर्ट

लखनऊ। हज यात्रियों को लेकर चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे सऊदी अरबिया एयरलाइन के विमान के बाएं पहिए से धुआं निकलने के बाद अफरातफरी मच गई। टैक्सी-वे जाते समय यह घटना हुई। यात्रियों को सुरक्षित उतारकर पायलट ने एटीसी को इसकी सूचना दी। सऊदी अरबिया एयरलाइन के इंजीनियर हाइड्रोलिक सिस्टम में गड़बड़ी की जांच कर रहे हैं। विमान मंगलवार को लखनऊ से जेद्दा वापस लौटेगा। माना जा रहा है कि बारिश के बाद रनवे पर पानी को देखकर पायलट ने हार्ड लैंडिंग करायी है। वहीं, महानिदेशालय नागरिक उड्डयन (डीजीसीए) ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। रविवार सुबह 6:30 बजे सऊदी अरबिया एयरलाइन का

विमान एसवी-3112 284 हज यात्रियों को लेकर लखनऊ पहुंचा था। यह एयर बस ए-330 श्रेणी का बड़ा विमान है। चूंकि लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2744 मीटर है, ऐसे में रनवे पर उतरते ही गति को नियंत्रित करने के लिए पायलट ने हार्ड लैंडिंग का उपयोग कर दिया। विमान टैक्सी-वे से एप्रन तक पहुंचा तो उसे एयरोब्रिज से जोड़ा गया। इस विमान की लैंडिंग प्रोटोकाल के तहत फायर फाइटिंग की टीम मौके पर तैनात रहती है एयरोब्रिज की तरफ पेट्रोलिंग कर रहे एयरक्राफ्ट रेस्क्यू एंड फायर फाइटिंग टीम ने पहिए से धुआं उठते देखा तो उसपर पानी का छिड़काव कर दिया। विमान को एहतियात के तौर पर अलग खाली हिस्से ले जाया गया, जहां इंजीनियरों ने धुआं उठने के कारण उसके हाइड्रोलिक सिस्टम के सेंसर के काम न करने की जांच की। रविवार शाम को यात्रियों को दूसरे विमान से रवाना कर दिया गया। वहीं, सेंसर को ठीक करके यह विमान मंगलवार सुबह खाली ही वापस भेजा जाएगा। डीजीसीए ने इस मामले में रिपोर्ट मांगी है। इसलिए तेज ब्रेक के साथ हुई लैंडिंग अक्सर मानसून के समय एक्वा मैनेजमेंट के तहत रनवे पर विमानों की लैंडिंग करायी जाती है। रनवे के भीगा होने पर सुरक्षित लैंडिंग के लिए झटके से ब्रेक का इस्तेमाल पायलट करता है। तेज रगड़ से रनवे पर छायी नमी कम हो जाती है और पहियों को भी मजबूत पकड़ मिलती है।

भूमाफिया को प्रश्रय देने वाला एक 'राजनीतिक गिरोह' है भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भूमाफिया को प्रश्रय देने वाला एक 'राजनीतिक गिरोह' होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि राज्य सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। यादव ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, "भाजपा एक राजनीतिक गिरोह है। भाजपा में अपराधियों की भरमार है। वह भू माफियाओं को प्रश्रय देती है। भाजपा के लोग सरकारी और गरीबों की जमीनों पर जबरन कब्जा कर रहे हैं।"'उत्तर प्रदेश अराजकता की गिरफ्त में है' अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, "भाजपा सरकार में

उत्तर प्रदेश अराजकता की गिरफ्त में है। अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। हर विभाग में भ्रष्टाचार है। हर कार्य में लूट चल रही है। भ्रष्टाचार, लूट और बेईमानी भाजपा सरकार की पहचान बन गयी है। आम जनता त्रस्त है। शिक्षा, स्वास्थ्य व बिजली कानून व्यवस्था सब बर्बाद हो चुकी है।" यादव ने कहा, "भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग स्वदेशी को लेकर बड़ी-बड़ी बाते करते है। संघ प्रमुख केन्द्र सरकार को स्वदेशी अपनाने की बात क्यों नहीं कहते? आज देश का पूरा बाजार चीनी सामानों से पटा हुआ है। इसके लिए केन्द्र की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। 'भाजपा का आचरण अलोकतांत्रिक है' अखिलेश यादव ने कहा, केन्द्र सरकार चीनी सामानों को रोककर स्वदेशी उत्पादों को अवसर क्यों नहीं दे रही है? केन्द्र सरकार की आर्थिक नीतियों की प्राथमिकता में स्वदेशी क्यों नहीं है?" उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है और इसकी आर्थिक नीतियां पूरी तरह असफल है तथा भाजपा की कथनी करनी विरोधाभासी है और जनता भाजपा की सच्चाई जान चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, केन्द्र की 11 वर्ष और प्रदेश की नौ वर्ष की भाजपा सरकार में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश में केन्द्र और प्रदेश सरकार मिल कर अब भी समाजवादी सरकार में किए गए विकास कार्यों का फीता काट रही है। भाजपा का आचरण अलोकतांत्रिक है।"

पीलीभीत में 61 परिवारों ने की घर वापसी... गुरुद्वारे में टेका मत्था, धर्म परिवर्तन कर बने थे ईसाई

पीलीभीत: पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में नेपाल सीमा से सटे गांव राघवपुरी स्थित गुरुद्वारा में सोमवार को हुए घर वापसी समारोह में नौ जत्थेबंदियों और बाबा सहित सिख संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय सिख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दावा है कि घर वापसी समारोह में 61 सिख परिवारों ने घर वापसी की। गुरुद्वारा में मत्था टेका। नानक नगरी बैल्हा के गुरुद्वारा की प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष गुरदयाल सिंह समारोह लोगों के घर वापसी की स्वेच्छा जाहिर करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समारोह में 61 परिवारों ने घर वापसी की। गुरुद्वारा में मत्था टेका और अरदास हुई। उन्होंने बताया कि इससे पहले क्षेत्र में घूमकर लोगों ने धर्म परिवर्तन को लेकर जानकारी की गई थी। जिस पर लोगों ने लालच में आकर भ्रमित होकर धर्म परिवर्तन करने की बात कही थी। ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफेयर काउंसिल के जिलाध्यक्ष परमजीत सिंह ने कहा कि घर वापसी करने वाले लोगों को गले लगाया गया है। समारोह में महंगापुर के बाबा गुरनाम सिंह, अमरिया के बाबा मोहन सिंह, खजुरिया के बाबा सुलखान सिंह, बाबा गुरनाम सिंह, बाबा गुरविंदर सिंह, बाबा बल्देव सिंह के अलावा आगरा के बाबा प्रीतम सिंह, नानक नगरी बैल्हा गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष, सदस्य सहित नौ जत्थे पहुंचे। नानक नगरी गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष गुरदयाल सिंह ने बताया कि समारोह में दूसरे धर्म में गए लोगों ने स्वेच्छा से घर वापसी का आश्वासन दिया है। कुछ परिवारों ने घर वापसी भी की है। नेपाल सीमा के गांवों में कई लोगों के धर्म परिवर्तन करने को लेकर सोमवार को गांव राघवपुरी गुरुद्वारा में घर वापसी समारोह रखा गया। समारोह में भारतीय सिख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसवीर सिंह विर्क ने कहा कि सिख धर्म का इतिहास रहा है

गोस्वामी समाज की महिलाओं ने लिखा खून से पत्र, पीएम और सीएम से गुहार

मथुरा: वृंदावन के प्रस्तावित कॉरिडोर और ट्रस्ट निर्माण की योजना के खिलाफ अब विरोध तेज होता जा रहा है। मंदिर से सदियों से जुड़े स्थानीय गोस्वामी समाज की महिलाओं ने असंतोष और पीड़ा बेहद मार्मिक तरीके से प्रकट की है। सोमवार को गोस्वामी समाज की दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने खून से पत्र लिखकर इस योजना पर पुनर्विचार करने की अपील की। पत्रों में लिखा गया है कि बांकेबिहारी मंदिर केवल एक

तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि वृंदावन की आत्मा है। गोस्वामी समाज पीढ़ियों से इस मंदिर की सेवा में लगा रहा है। उनका कहना है कि कॉरिडोर और ट्रस्ट निर्माण से मंदिर की परंपरागत व्यवस्था, आध्यात्मिक वातावरण, और उनके पारंपरिक सेवा अधिकारों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। मनीषा गोस्वामी ने कहा, यह केवल एक विकास परियोजना नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान पर सीधा आघात है। हम इसका हर स्तर पर विरोध करेंगे। नीलम गोस्वामी ने कहा कि यह योजना हमारी जीवनशैली, हमारी सेवा परंपरा और मंदिर की पवित्रता को तोड़ने वाली है। स्थानीय व्यापारी, सेवायत और श्रद्धालु सभी इससे आहत हैं। इस दौरान सुनीता गोस्वामी, सुमन गोस्वामी, मधु गोस्वामी, पुष्पा गोस्वामी, नीलम गोस्वामी, अनुराधा गोस्वामी, अदिति गोस्वामी, श्रद्धा खंडेलवाल, निशा शर्मा, मधु शर्मा, राधा मिश्रा, मनीष गोस्वामी, मीरा गोस्वामी, शिवानी गोस्वामी, पारुल गोस्वामी, राखी गोस्वामी, माला गोस्वामी, पूनम गोस्वामी, अंजना गोस्वामी, ममता गोस्वामी, रमा गोस्वामी, सीमा गोस्वामी, भावना गोस्वामी आदि मौजूद रहीं।

वाहन चालकों के खिलाफ एम वी एक्ट के अंतर्गत की गई कार्यवाही

बहजोई/संभल (सन का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद के कुशल निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात प्रदीप कुमार एवं यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रमोद कुमार मान के द्वारा कस्बा बहजोई के इस्लामनगर चौराहे पर विशेष अभियान चलाकर बिना हेलमेट , दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बिठाने को लेकर बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन चलाने वालो के खिलाफ एमवी एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई । तथा ऐसे वाहन चालकों के किए गए चालान एवं यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत वाहन चालकों एवं आम जनमानस को यातायात नियमों की जानकारी दी गई एवं भविष्य में ऐसी गलती ना करने की हिदायत दी गई । यातायात पुलिस लगातार आम जनमानस को जागरूक कर रही है लगातार यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को जानकारी दी जा रही है जीवन अनमोल है धीरे चले सुरक्षित रहे ।

कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को सहायता धनराशि की गई वितरण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनपद अम्बेडकर नगर में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत स्वीकृत आवेदनों के लाभार्थियों को सहायता धनराशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका सजीव प्रसारण सभागार में मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव एवं जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू तथा नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू, पूर्व लोक सभा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी एवं अन्य अतिथि गणों द्वारा देखा गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि तथा जिलाधिकारी एवं अन्य अतिथि गणों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथि गणों का पुष्प देकर तथा पुस्तक तथा एक तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश के मा. प्रधानमंत्री जी एवं

प्रदेश के मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता है कि वह प्रदेश में होने वाली हर समस्या से परिचित हैं और उस समस्या का निदान करने का हर सम्भव प्रयास वह करते हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की धनराशि बीमा योजना के माध्यम से दी जाती थी। मुख्यमंत्री ने अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए तथा संवेदनशीलता दिखाते हुए यह राशि सीधे राज्य के माध्यम से आप लोगो तक पहुंचायी । उन्होंने निराश्रित महिला पेंशन योजना को लेकर भी चर्चा की तथा मुद्रा योजना, निष्पक्ष भर्ती, स्वयं सहायता समूहों का सुदृढ़ीकरण, उद्यमी योजना, आयुष्मान कार्ड आदि अनेक योजनाएं के विषय में बताया और उन्होंने कहा कि सरकार आप तक योजनाएं पहुंचाने का प्रयास कर रही है और सभी लोगों का भी प्रयास रहना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें एवं लोगों को भी सरकारी योजनाओं के विषय में जागरूक करें । उन्होंने कहा कि जनपद में पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त हो।

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि आज जनपद में दस करोड़ तिरानवे लाख साठ हजार रुपये की धनराशि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के खाते में गई है जिसमें कुल 228 लाभार्थी सम्मिलित हैं। 2019 से यह योजना प्रारंभ हुई है तब से अब तक लगभग 62 करोड़

72 लाख 85 हजार रुपये की धनराशि 1276 लाभार्थियों के खाते में जा चुकी है। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना की पात्रता के विषय में भी बताया ।जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि इस योजना का लाभ प्राप्त किये 1276 परिवारों का एक सप्ताह के अंदर सत्यापन किया जाए और जितने पात्र परिवार हो उनको निराश्रित महिला पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया जाए। उन्होंने दैवीय आपदा पर दुर्घटना होने पर मिलने वाली धनराशि के विषय में भी बताया। उन्होंने इस योजना के लिए पोस्टमार्टम को लेकर भी अपील की।उन्होंने मुख्यमंत्री पशुधन सहभागिता योजना के विषय में भी जानकारी दी और कहा कि जो किसान गौशालाओं के माध्यम से अपने यहां गाय पालन करेगा उसको 50 रुपये प्रति दिन के हिसाब से गाय पालन के लिए धनराशि प्राप्त होगी तथा एक व्यक्ति 4 गाय तक पाल सकता है इस योजना के अन्तर्गत उसको 4 गाय पालने पर प्रति माह 6 हजार रुपये की धनराशि प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि जो 4 गाय का पालन करेगा उसका मनरेगा के माध्यम से शेड बनाकर भी दिया जाएगा ।जिलाधिकारी ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना तथा विरासत के विषय में भी बताया और उन्होंने कहा कि जनपद में 87 देव तीर्थ हैं जिनमें 68 जल तीर्थ हैं तथा 19 महाकूप हैं और उन्होंने कहा कि भविष्य में सम्भल एक तीर्थ नगरी के रूप में विकसित होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने कहा कि मा. मुख्यमंत्री जी इस योजना के अन्तर्गत लाभार्थी के लिए 5 लाख की धनराशि भेज रहे हैं इस योजना से जुड़े लोग मानवता के नाते पात्र लाभार्थी से संबंधित औपचारिकता को पूर्ण करें उन्होंने कहा कि इस योजना में बटाईदार भी सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना में पारदर्शिता रहे अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी चंदौसी विनय कुमार मिश्रा, डिप्टी कलक्टर आशुतोष तिवारी तथा डिप्टी कलक्टर निधि पटेल, तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर तथा पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ नरेंद्र, जिला पंचायत सदस्य अवधेश प्रताप राघव तथा चंद्रसेन राणा एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

दिल्ली सरकार को देना होगा ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा को बढ़ावा: हरदीप सिंह पुरी

विपक्ष के सवालों पर हरदीप पुरी ने कहा- साइप्रस भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी मोदी सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में लगी प्रदर्शनी सीएम रेखा गुप्ता ने कहा- पहले की सरकार सहयोग की जगह विवाद करती थी

नई दिल्ली: नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में दिल्ली सरकार के 100 दिनों के कार्यकाल में उटाये कदमों की भी जानकारी दी गई है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। इस मौके पर हरदीप पुरी ने कहा, रेखा गुप्ता सरकार ने 100 दिनों में बेहतर काम करने के साथ ही आगे के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। आने वाले समय में इसके प रिणाम सामने आएंगे। 2014 की तुलना में देश की आर्थिक स्थिति हुई है मजबूत प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने परिश्रम किया और दिल्ली के विकास व लोगों की समस्याएं दूर करने वाली सरकार बनी। दिल्ली की आबादी दो करोड़ से अधिक हो गई है। दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार बनी है। अब हमारे पास कोई बहाना नहीं है। दिल्ली के विकास के लिए काम हो रहा है। कार्यकर्ताओं में उत्साह है। उन्होंने कहा, वर्ष 2014 की तुलना में देश की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत हुई है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति और चुनौतियों में भी हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। दिल्ली को इलेक्ट्रिक के साथ ही ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देना होगा हमारे पास ऊर्जा का पर्याप्त भंडार है। हाइड्रोजन ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है। दिल्ली को इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ ही ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में 22 मिनट में पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। पहले आतंकी हमले पर इस तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी जाती थी। मोदी सरकार पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर रही है। विपक्ष के नेता इंटरनेट मीडिया पर सिर्फ दुष्प्रचार करते हैं। विपक्ष के सवालों पर पुरी ने कहा- साइप्रस भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साइप्रस यात्रा पर विपक्ष द्वारा सवाल उठाने पर उन्होंने कहा, किसी देश का महत्व उसकी सीमा व जनसंख्या से नहीं होता है। साइप्रस भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। कनाडा के साथ हमारे द्विपक्षीय मामले हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार दिल्ली के विकास में सहयोगी रही है। दिल्ली में पहले की सरकार सहयोग की जगह विवाद करती थी। अब दोनों सरकार मिलकर दिल्ली के विकास के लिए काम कर रही है। यमुना की सफाई, कूड़े के पहाड़ समाप्त करने, वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान सहित अन्य सभी वादे पूरे होंगे। इसके लिए काम हो रहा है।

दिल्ली में आशियानों पर जमकर गरजा बुलडोजर, आंखों के सामने टूटे घर; इलाके में मचा हड़कंप

बाहरी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से बुलडोजर गरजा है। अशोक विहार स्थित जेलरवाला बाग में सोमवार को भारी पुलिस बल के बीच झुग्गी बस्ती पर बुलडोजर चला। बताया गया कि दोपहर तक एक हजार से अधिक झुग्गियों को ढहा दिया गया। बड़ी संख्या में लोग घरों से अपना सामान नहीं निकाल पाए। लोग मलबे के बीच अपना सामान बटोरते नजर आए। क्षेत्र में दो हजार से अधिक झुग्गियां बसी हैं। इनमें से लगभग 250 झुग्गियों के तोड़ने पर कोर्ट का स्टे लगा है। झुग्गियों पर बुलडोजर चलाने से पहले क्षेत्र की बिजली आपूर्ति काट दी गई। लोगों का कहना है कि जिन लोगों की झुग्गियों पर स्टे है, वे लोग बिना बिजली-पानी के कैसे रह पाएंगे। इतनी भीषण गर्मी के बीच छोटे बच्चों का रह पाना मुश्किल है।

दिल्ली में थाने के पास चल रहा ये बड़ा खेल, सीएम तक पहुंची शिकायत; पर नहीं हुई कोई कार्रवाई

दक्षिणी दिल्ली। लगातार बढ़ते ई-रिक्शा के कारण अब उनकी पार्किंग की समस्या भी आने लगी है। ऐसे में ई-रिक्शा की पार्किंग करवाने के लिए माफिया पनपने लगा है। महरौली बदरपुर रोड स्थित मंगल बाजार टी प्वाइंट पर सार्वजनिक शौचालय के आगे अवैध रूप से कब्जा कर रिक्शा खड़े करवाए जा रहे हैं। इसकी एवज में रिक्शा चालकों से वसूली भी की जाती है और यह सब पुलिस की नाक के नीचे हो रहा है। संगम विहार थाना वहां से मात्र दो सौ मीटर दूर है। आरडब्ल्यूए व स्थानीय स्तर पर कई शिकायतों के बावजूद पुलिस इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। एमबी रोड स्थित मंगल बाजार रोड टी-प्वाइंट पर सार्वजनिक शौचालय के बाहर दिन रात ई-रिक्शा की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिस कारण चौक पर हर वक्त जाम लगा रहता है। ई-रिक्शा खड़े रहने के कारण यहां दिनभर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जोकि यहां बैठ कर नशा करते हैं। नशे में धुत असामाजिक तत्व यहां से गुजरने वाले लोगों से अक्सर झगड़ा करते रहते हैं। खासकर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं होती हैं। वहीं, ऐसे में डर के कारण कोई शौचालय की हिम्मत भी नहीं करता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आया है और वे उसकी अपने स्तर पर जांच भी करवा रहे हैं। हालांकि अभी तक वहां नशे के कारोबार जैसी कोई बात सामने नहीं आई है।

पुलिस की गिरफ्त से भागा आरोपित नौ साल बाद गिरफ्तार, हमला कर चार पुलिसकर्मियों को कर दिया था घायल

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की ईस्टर्न रेंज-II ने पुलिस हमला करने के मामले फरार चल रहे घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के उप आयुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि आरोपित अकिल पिछले नौ साल से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था, को आखिरकार इलाके से गिरफ्तार किया गया। साहिबाबाद में लूट के मामले में पुलिस छापेमारी करने गई थी यह घटना 9 मई 2014 की है, जब उस समय के एसएचओ, इंस्पेक्टर उपेन्द्र की अगुआई में साहिबाबाद (उत्तर प्रदेश) पुलिस की टीम दिल्ली के फ-30, ओल्ड सीमेपुरी में एक छापेमारी करने आई थी। इस छापेमारी का उद्देश्य आरोपित नौशाद, अजीज और शेरू को पकड़ना था, जो कि साहिबाबाद में एक लूटपाट मामले में शामिल थे। जैसे ही पुलिस टीम ने छापेमारी शुरू की, अकिल और उसके भाई शेरू, भतीजे अजीज और नौशाद ने पुलिस टीम पर पथराव किया। हमले में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए थे, गाड़ी भी तोड़ दी थी जिससे चार पुलिसकर्मी घायल हो गए और सरकारी वाहन (बोलेरो) को भी नुकसान पहुंचाया गया। इस हमले के बाद पुलिस ने दंगा और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की। इस मामले में अकिल को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह पुलिस की गिरफ्त से फरार हो गया और उसे 30 सितंबर 2016 को अदालत द्वारा घोषित अपराधी घोषित कर दिया गया। क्राइम ब्रांच की टीम ने 15 जून 2025 को सूचना मिलने पर एक योजनाबद्ध कार्रवाई की। हेड कांस्टेबल प्रिंस के नेतृत्व में एसआई शैलेन्द्र और हेड कांस्टेबल मोहित की टीम ने निरीक्षक आशीष दहिमा और एसीपी यशपाल सिंह की निगरानी में आरोपित अकिल को सीमेपुरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

दिल्ली में आरएसएस के संघ शिक्षा वर्ग का समापन कार्यक्रम आज, सभी सपरिवार आमंत्रित

नई दिल्ली। दिल्ली में आज (सोमवार) को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्ग के कार्यक्रम का समापन है। इस कार्यक्रम में सभी को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। बता दें कि यह कार्यक्रम आर. ए. गीता विद्यालय, शंकर नगर, राजगढ़ दिल्ली में होगा। बताया गया कि शाम को 5:30 बजे जलपान की व्यवस्था रहेगी, जबकि ध्वजारोहण शाम छह बजे होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य एयर मार्शल राजेश कुमार (सेवा निवृत), मुख्य वक्ता अनिल ओक, अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) समेत अन्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

उत्तर पश्चिमी दिल्ली से 36 बांग्लादेशी घुसपैठिये गिरफ्तार, प्रतिबंधित आईएमओ ऐप का कर रहे थे इस्तेमाल

जनई दिल्ली: दिल्ली पुलिस के उत्तर-पश्चिम जिले के विदेशी नागरिक सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 36 बांगलादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 17 बच्चे भी शामिल हैं। ये सभी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। यह कार्रवाई 13 जून 2025 को भारत नगर थाना क्षेत्र में की गई, जहां पुलिस ने घुसपैठियों के खिलाफ एक ऑपरेशन चलाया। 13 घुसपैठियों से मिला बांग्लादेशी पहचानपत्र पुलिस को इस ऑपरेशन में 7 स्मार्टफोन और 13 बांगलादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र भी बरामद हुए हैं। इन स्मार्टफोनों में आईएम एप्लिकेशन पाया गया, जो कि भारतीय कानून के अनुसार प्रतिबंधित है। इस अभियान के तहत 25 फुटपाथ और 32 गलियों की जांच की गई। अभियान के दौरान, एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। इस व्यक्ति ने पहले टीम को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसने स्वीकार किया कि वह बांगलादेशी है और अवैध रूप से भारत में रह रहा था। 36 गिरफ्तार घुसपैठियों में 17 बच्चे भी है शामिल उसकी पूछताछ के बाद, अन्य बांगलादेशी घुसपैठियों का भी पता चला और 36 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 19 वयस्क और 17 बच्चे शामिल थे। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी घुसपैठियों से पूछताछ में यह पता चला कि वे पहले हरियाणा के मेवात में एक ईंट भट्ठे में काम करते करते थे। हरियाणा पुलिस के डर से आ गए थे दिल्ली हरियाणा पुलिस के डर से भागकर दिल्ली आ गए थे। इसके बाद से किराए पर मकान लेने की कोशिश कर रहे थे ताकि स्थानीय लोगों में घुलमिल सकें। पुलिस अब इन अवैध प्रवासियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि इन सभी नागरिकों को उनके देश वापस भेजा जाए।

दिल्ली में कोरोना से एक और व्यक्ति की मौत, सामने आए 33 नए मरीज; अब तक 12 की जा चुकी जान

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना से पीड़ित एक 67 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया गया कि बुजुर्ग को पहले से कैंसर की बीमारी थी। दिल्ली में कोरोना के 33 नए मामले आए सामने आए हैं, जबकि 121 मरीज ठीक हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दिल्ली में 649 सक्रिय मरीज हैं और अब तक 12 मरीजों की मौत हो चुकी है। राजधानी में अब तक 2121 मरीज ठीक हो चुके हैं। वहीं, रविवाव को दो महिला मरीज सहित तीन मरीजों की मौत हो गई। जिसमें एक 83 वर्ष की बुजुर्ग महिला शामिल हैं। इन तीनों मरीजों को पहले से डायबिटीज की बीमारी थी। इसके अलावा कुछ अन्य बीमारियां भी थीं। मृतकों में एक 57 वर्षीय महिला व एक 57 वर्षीय पुरुष मरीज शामिल हैं। 57 वर्षीय महिला को डायबिटीज के अलावा फेफड़े की भी बीमारी थी। वहीं 57 वर्षीय पुरुष मरीज को डायबिटीज के अलावा लिवर की बीमारी थी। वहीं, बुजुर्ग महिला को डायबिटीज, हाइपरटेंशन व फेफड़े की बीमारी थी। दिल्ली में अब तक कुल 11 कोरोना पीड़ित मरीजों की मौत हो चुकी है। जिसमें ज्यादातर बुजुर्ग व अधिक उम्र के मरीज शामिल हैं, जिन्हें पहले से कोई न कोई बीमारी थी। दिल्ली में अभी 682 सक्रिय मरीज हैं। डाक्टर बताते हैं कि ज्यादातर खांसी, सर्दी, गले में खराश व बुखार जैसी हल्की बीमारी हो रही है। इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

हाथ में आएंगे चोरी हुए फोन, दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता; गिरफ्तार शातिर के पास मिले 281 मोबाइल

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में झपटमारों द्वारा छीने गए मोबाइल फोन को खरीदने के आरोप में पुलिस ने जहांगीरपुरी में मोबाइल रिपेयर शॉप संचालक को गिरफ्तार किया है और उससे चोरी के 281 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपित चोरीशुदा मोबाइल को रीसेल करता था। आरोपित मोबाइल बॉडी और आंतरिक पुर्जों को बदलकर उन्हें लाभ के लिए फिर से बेच देता था। बरामद किए 281 मोबाइल में से 130 फोन में पहचाने जाने योग्य आइएमइआइ नंबर थे। शेष 151 फोन या तो लाक या बंद थे। इस कारण आइएमइआइ नंबर की पुष्टि करना मुश्किल हो गया। पुलिस का कहना है कि सीइआइआर पोर्टल व आइएमइआइ सर्च की मदद से मोबाइल डिवाइस की पहचान की कोशिश की जा रही है। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के बाद एंटी बर्गलरी एंड स्नैचिंग और मोबाइल ट्रेसिंग सेल की टीम ने जहांगीरपुरी के सी-ब्लॉक कुशल सिनेमा के सामने स्थित एक मोबाइल रिपेयर शॉप पर छापेमारी की। जहांगीरपुरी निवासी जावेद अली साहा को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, जावेद ने स्वीकार किया कि वह झपटमारों और छोटे-मोटे चोरों से चोरी किए गए मोबाइल फोन खरीदता था और उनके बाडी और आंतरिक घटकों को संशोधित करके उन्हें लाभ के लिए फिर से बेच देता था। वहीं, दुकान की तलाशी के दौरान पुलिस ने 281 स्मार्ट फोन बरामद किए, जिनमें से अधिकांश बैग और डिब्बों में रखे गए थे।

गजब हाल! थाने की दीवार फांद कर फरार हुआ आरोपी, फिर अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में डकैती के मामले में रिमांड पर लिया गया एक आरोपित 13 जून की शाम अमर कालोनी थाने की दीवार फांद कर फरार हो गया। दक्षिणी-पूर्वी दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने फरार आरोपित मेहरबान को सरिता विहार इलाके से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस को एक पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुए हैं। उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम का मामला दर्ज कर पुलिस उससे पूछताछकर रही है। पुलिस उपायुक्त डा. हेमंत तिवारी ने बताया कि 11 जून को सुखदेव विहार निवासी नवीन गिरी की शिकायत पर डकैती का मामला दर्ज किया था। इस मामले में एक नाबालिग को मौके पर ही पकड़ लिया गया था। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उसके एक साथी गांधी कैंप श्रीनिवासपुरी निवासी मेहरबान को भी गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मेहरबान को पूछताछ के लिए 13 जून को रिमांड पर लिया था। 13 जून की शाम जब पुलिसकर्मी अन्य मामलों में बंद पांच आरोपितों को हवालात से बाहर निकाल रहे थे, उस दौरान अचानक बिजली चली गई। इसका फायदा उठाकर आरोपित मेहरबान भी हवालात से निकल गया और थाने की दीवार कूद कर फरार हो गया। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू की गई। मामले की जांच स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर आरएस डागर की टीम को सौंपी गई। पुलिस टीम ने आरोपित की जानकारी जुटा उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। पुलिस टीम ने आरोपित के दोस्त जुनैद उर्फ शूटर से पूछताछ की। उसने बताया कि मेहरबान 13 जून की शाम उसके घर पर आया था और उससे दो हजार रुपये लेकर वहां से चला गया। फिर 14 जून की सुबह मेहरबान ने फोन कर बताया कि वह ओखला फेज-2 में छिपा हुआ है। तकनीक की मदद से पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और उसे सरिता विहार इलाके उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का छापा पड़ते ही मची अफरातफरी, स्टोर मैनेजर गिरफ्तार; नामी कंपनी का टैग लगाकर बेचते थे कपड़े

बाहरी दिल्ली। नामी कंपनी का टैग लगाकर नकली टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम और शार्ट्स बेचने वाली एक कंपनी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पीतमपुरा स्थित एक स्टोर पर छापा मारकर "लुई वितों" नामक नामी ब्रांड के जाली लेबल के साथ लगभग दो नकली प्रिंटेड शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम बरामद किए गए। पुलिस ने स्टोर मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि कंपनी संचालक करनाल (हरियाणा) का रहने वाला है। फिलहाल देश में नहीं है। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बाजार में हाई वैल्यू ब्रांड लुई वितों के नकली लेबल वाले शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम के बारे में कंपनी की ओर से पुलिस को शिकायत प्राप्त हुई। इस शिकायत के बाद पुलिस ने जानकारी जुटाकर पीतमपुरा स्थित इमारत की पहली मंजिल पर बायज स्ट्रीट नामक एक दुकान में छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान दिल्ली के शादी नगर, आजादपुर निवासी हर्षित के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, स्टोर से "लुई वितों" ब्रांड के जाली लेबल के साथ नकली मुद्रित शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट, परफ्यूम के लगभग दो सौ आइटम बरामद किए। पूछताछ के दौरान पता चला कि अवैध इकाई का संचालन पंकज मनचंदा नामक व्यक्ति कर रहा है। पंकज करनाल का रहने वाला है। आरोपित हर्षित ने बताया कि विनिर्माण इकाई पिछले साल पंकज मनचंदा ने स्थापित की थी। तभी से यह शार्ट्स, टी-शर्ट, बेल्ट और परफ्यूम बनाने में लगी हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि हर्षित स्टोर में मैनेजर के तौर पर काम करता है और मालिक पंकज मनचंदा के निर्देशन में काम करता है। पूछताछ में पता चला कि मालिक पंकज मनचंदा करनाल का रहने वाला है और फिलहाल देश से बाहर है। उसके ठिकाने का पता लगाने की कोशिश की जा रही है और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चोरी के मोबाइल फोन खरीदने और कनॉट प्लेस में बेचने वाला दबोचा, स्नैच किए 17 फोन बरामद

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी किए गए मोबाइल फोन खरीदने और बेचने वाले प्रमुख रिसीवर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम जितेन्द्र गोसाईं है, जो चोरी और झपटमारी किए गए मोबाइल फोन का रिसीवर था। उसके पास से 17 हाई एंड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत लाखों रुपये में है। दिल्ली पुलिस के उप आयुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि क्राइम ब्रांच की ईस्टर्न रेंज-क ने आरोपी जितेन्द्र गोसाईं को 13-14 जून की रात के दौरान केशव पुरम मेट्रो स्टेशन के पास गिरफ्तार किया। स्नैच किए गए मोबाइल को कनॉट प्लेस में बेचता था पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी चोरी किए गए और झपटे गए मोबाइल फोन को खरीदकर करोल बाग में बेचता था। सूचना मिलने के बाद, एक टीम का गठन किया गया और आरोपी को पकड़ने के लिए एक ऑपरेशन चलाया गया। आरोपित की पहचान होने के बाद से केशवपुरम मेट्रो स्टेशन के पास गिरफ्तार किया गया। जितेन्द्र गोसाईं ने अपनी गिरफ्तारी के बाद यह स्वीकार किया कि वह चुराए गए मोबाइल फोन खरीदता था और उन्हें अपनी दुकान पर बेचता था। उसकी घर से 17 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी जांच करने पर यह पाया गया कि इनमें से कई फोन पहले ही विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज एफआईआर और गुमशुदगी की रिपोर्ट से जुड़े हुए थे। आर्टिफिशियल ज्वेलरी कारोबार छोड़ बन गया अपराधी जितेन्द्र गोसाईं, जो कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी व्यवसायी है, ने आर्थिक तंगी और घरेलू समस्याओं के कारण अपराध की दुनिया में कदम रखा। उसने बताया कि उसकी दुकान के सामने अक्सर झपटमार और पिकपॉकेट चोरी किए गए मोबाइल फोन बेचते थे। उसे उन फोन को खरीदने और फिर ऊंचे दामों पर बेचने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्याओं की गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है और अन्य चुराए गए मोबाइल फोन की बरामदगी की दिशा में काम कर रही है।

स्नैच किए गए मोबाइल को कनॉट प्लेस में बेचता था आर्टिफिशियल ज्वेलरी कारोबार छोड़ बन गया अपराधी
पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की धरपकड़ में जुटी

मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश किया, यूपी में आकाशीय बिजली गिरने से 3 की मौत

नई दिल्ली(एजेंसी)। मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश कर लिया है।एक दिन की देरी से बड़वानी, खरगौन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते मानसून राज्य में पहुंच गया है। बीते साल यह 21 जून को आया था। हालांकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में मानसून का प्रवेश 27-28 मई को हो गई थी, मध्यप्रदेश में 21 दिन बाद मानसून की दस्तक हुई है। वहीं यूपी के जौनपुर में आकाशीय बिजली से 3 लोगों की जान गई। गोरखपुर और ललितपुर में 2-2 लोगों की मौत हुई है। बरेली में तेज बारिश और बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं ने लोगों के साथ-साथ प्रशासन को भी सतर्क किया है। वहीं 17 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी, विदर्भ, पूर्वी मध्यप्रदेश, गुजरात सौराष्ट्र, बिहार, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। ओडिशा, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 18 जून को गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

अमरोहा में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, चार महिलाओं की मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा के गांव अतरासी कलां में खेतों के बीच संचालित पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर तेज धमाका हुआ। पूरी फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह ढह गई। हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई। दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस-प्रशासनिक और दमकल टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मलबे के नीचे दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को करीब 11:45 बजे अतरासी कलां में संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि पूरी पटाखा फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। धमाके की आवाज सुन ग्रामीणों के बीच भी हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव का कार्य शुरू किया। अब तक हादसे में चार महिलाओं की मौत की सूचना मिली है। वहीं हादसे से दर्जनों लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया हे। यहां उनका इलाज शुरू हो गया है। अमरोहा पुलिस के मुताबिक, पटाखा फैक्ट्री लाइसेंसी थी। लाइसेंस धारक सैफउर्रहमान पुत्र केसर अहमद निवासी हापुड़ चला रहा था। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से चार महिलाओं की मौत हुई है। जबकि छह महिलाएं जख्मी हो गई हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के कारणों की पड़ताल की पड़ताल की जा रही है।

सास, ससुर और सालों से परेशान युवक पहुंचा थाने, पत्नी नहीं सुनती

देवबंद, (एजेंसी)। ससुराल पक्ष द्वारा चार लाख रुपये की मांग करने और पैसे न देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी से परेशान दामाद ने पुलिस से मदद मांगी है। गांव बचीटी निवासी ग्रामीण ने सास, ससुर और अपने दो सालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बचीटी निवासी मोहतशिम पुत्र अलीजान ने कहा है कि करीब पांच वर्ष पूर्व उसका निकाह कुटेसरा गाव निवासी मुस्कान पुत्री यासीन से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल के लोग प्रताड़ित करते चले आ रहे हैं और उसकी पत्नी भी अपने स्वजन के कह अनुसार काम करती है। बीती पांच जून को उसका ससुर यासीन, सास महकारा और उसके साले फरमान व नोमान ने घर आकर उसके परिजनों के साथ मारपीट की थी। आरोप है कि अब उसका ससुर यासीन उससे चार लाख रुपये मांग रहा है और न देने पर झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दे रहा है। जिससे वह और उसका परिवार डरा हुआ है।

बिहार के बेतिया में चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

बेतिया (एजेंसी)। नगर के वार्ड चार स्थित हनुमंतनगर से अतिक्रमण हटाया गया। सोमवार को नगर निगम की टीम पूरी तैयारी के साथ जेसीबी लेकर हनुमंतनगर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई। बुलडोजर एक्शन से देखते ही देखते अतिक्रमण कर बनाए गए दुकान और घरों को जमींदोज किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे। हालांकि अतिक्रमण हटाने के दौरान एक दो महिलाओं ने हल्का विरोध किया, लेकिन टीम पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। महिला पुलिस ने विरोध कर रही महिलाओं को नियंत्रित कर लिया। अतिक्रमण हटाने गए टीम के सदस्यों ने बताया कि 15 घरों को तोड़ा गया है। निगम के कड़ा तेवर को देखकर लोगों ने एक दिन पहले ही अतिक्रमण का बड़ा हिस्सा हटा लिया था। बताया जाता है कि हनुमंतनगर में नगर निगम द्वारा सड़क का निर्माण होना है। इस पथ पर अतिक्रमण के कारण कार्य शुरु नहीं हो सका है। करीब दो माह पूर्व नगर निगम की ओर से 15 अतिक्रमणकारियों को चिंहित किया गया था। अतिक्रमण हटाने के लिए उन्हें नोटिस दिया गया है, लेकिन नोटिस के बाद भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला जत्था सिक्किम्म की राजधानी गंगटोक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच साल बाद सिक्किम में नाथुला दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हुई है, जो हिंदू श्रद्धालुओं और भारत-चीन सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला समूह सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा है और सोमवार को मौसमी अनुकूलन के लिए '17 माइल' क्षेत्र चला गया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री सिक्किम में नाथू ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होकर कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने वाले है।

एलओसी पर बाड़बंदी को लेकर एडीईओ ने कर्नल पर किया हमला, वीडियो वायरल

- यूजर ने लिखा- यह न केवल एक अधिकारी पर हमला बल्कि सेना का अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी पर बाड़बंदी के प्रोजेक्ट को लेकर हुआ विवाद अब बढ़ गया है। इस विवाद में सहायक रक्षा संपदा अधिकारी (एडीईओ) त्रियाम सिंह ने भारतीय सेना के कर्नल अंकुश चौधरी पर हमला कर दिया। यह घटना 12 जून की बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक त्रियाम सिंह ने बाड़बंदी प्रोजेक्ट के लिए जरूरी बोर्ड प्रोसीडिंग्स पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसने न केवल रक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए है बल्कि भ्रष्टाचार के आरोपों को भी हवा दे दी।

जवाब में कर्नल चौधरी के सिख सैनिकों ने एकजुटता दिखाते हुए त्रियाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई की, जिसने इस मामले को और गरमा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्नल अंकुश चौधरी इस बाड़बंदी प्रोजेक्ट के प्रभारी थे। उन्होंने त्रियाम सिंह से प्रोजेक्ट से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने को कहा। यह प्रोजेक्ट पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद और भी अहम माना जा रहा है। इस हमले के बाद एलओसी पर बाड़बंदी को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम है।

त्रियाम सिंह ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और बहस के दौरान कर्नल चौधरी पर शारीरिक हमला कर दिया। इस घटना ने सैनिकों में गुस्सा भड़का दिया और इंजीनियर रेजिमेंट के सिख सैनिकों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सैनिकों की यह प्रतिक्रिया साफ दिखाई दे रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ गुस्सा निकाला। एक यूजर ने लिखा कि यह न केवल एक अधिकारी पर हमला है, बल्कि उन सभी सैनिकों का अपमान है जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि एडीईओ भाग्यशाली थे कि जवान वहां मौजूद नहीं थे, वरना कहानी कुछ और होती। सैन्य दिग्गजों ने भी इस घटना की निंदा की है। एक अन्य ने एक्स पर लिखा सैनिकों के लिए उनका कमांडिंग ऑफिसर भगवान के समान होता है।

कई लोगों ने डीईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एक पोस्ट में दावा किया गया कि डीईओ अक्सर प्रोजेक्ट्स को रिश्वत के लिए रोकता है। इस घटना ने मार्च 2025 में पंजाब के पटियाला में हुई एक अन्य घटना की याद दिला दी, जिसमें कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे पर पंजाब पुलिस के कर्मियों ने हमला कर दिया था। उस मामले में 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। एलओसी पर बाड़बंदी का यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, खासकर हाल के आतंकी हमलों के बाद। बाड़बंदी प्रोजेक्ट का उद्देश्य घुसपैठ को रोकना और सीमा पर सुरक्षा

को और मजबूत करना है।

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या रक्षा मंत्रालय के अंदर भ्रष्टाचार इतना गहरा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोजेक्ट्स को भी प्रभावित कर रहा है? त्रियाम सिंह के खिलाफ अभी तक कोई ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे लोगों में नाराजगी है। सैनिकों की प्रतिक्रिया को कुछ लोगों ने अनुशासनहीनता करार दिया, जबकि अन्य ने इसे अपने कमांडर के प्रति वफादारी का प्रतीक बताया है।

अब तक 465764 श्रद्धालु ने मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेका

कटरा। ,(ईएमएस)। जून माह के प्रथम पखवाड़े तक 465764 श्रद्धालु अब तक मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेक चुके हैं। चूंकी वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा जोर-शोर से चल रही है, इस कारण मां वैष्णो देवी भवन परिसर जहां तक की आधार शिविर कटड़ा श्रद्धालुओं से गुलजार है हर तरफ श्रद्धालुओं की चहल पहल लगातार बनी हुई है। बीती शाम से बदले मौसम का रंग सोमवार को भी दिन भर देखने को मिला, क्योंकि दिन भर एक और जहां आसमां के साथ ही मां वैष्णो देवी के त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट लगा रहा, वहीं दूसरी ओर ठंडी हवाओं के साथ बीच-बीच में हल्की बारिश का भी सामना श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान करना पड़ा। वर्तमान में मौसम पूरी तरह से सुहावना बना हुआ है। मौसम में हुए बदलाव के साथ ही हो रही हल्की बारिश को लेकर मां वैष्णो देवी के सभी मार्गों पर आपदा प्रबंधन दल, के साथ ही श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं और लगातार मां वैष्णो देवी की यात्रा पर नजर रखे हुए हैं ताकि मां के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं को वैष्णो देवी यात्रा के दौरान बैटरी कार सेवा के साथ ही मां वैष्णो देवी भवन तथा भैरव घाटी के मध्य चलने वाली रोपवे केवल कार सेवा जैसी सुविधाएं बिना किसी परेशानी के उपलब्ध हो रही है। आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा बीच-बीच में बदले मौसम के कारण प्रभावित हुई। वहीं श्रद्धालुओं को घोड़ा, पिट्ठू तथा पालकी आदि की सेवा भी लगातार उपलब्ध हो रही है और श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ उठाते हुए निरंतर मां वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे हैं।

दामाद के बाद संजय झा की बेटियों को लेकर नीतीश पर हमलावार तेजस्वी

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान और जीतनराम मांझी के दामाद देवेंद्र मांझी, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड में अशोक चौधरी के दामाद सायन कुणाल के मनोनयन के बाद विपक्ष नीतिश सरकार पर हमलावार है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश की सरकार को जमाई आयोग का गठन हुआ। अब राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की बेटियों को सुप्रीम कोर्ट में सरकारी वकील बनाने पर सवाल उठा दिया है।

आरजेडी के सोशल मीडिया खाते से केंद्र सरकार के आदेश की कॉपी पोस्ट करके दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों की हकमारी पर सवाल उठाया गया है। कानून मंत्रालय के 9 अक्टूबर 2024 के आदेश के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से केस लड़ने के लिए संजय झा की बेटियों अद्या झा और सत्या झा की सेवा तीन साल के लिए ली गई है। कानून की पढ़ाई कर चुकी दोनों बेटियों की सेवा वकीलों के ग्रुप ए पैनल में ली गई है। बात दें कि केंद्र और राज्य सरकारें जिला से सुप्रीम कोर्ट तक वकीलों की सेवा लेती है, इसके लिए पैनल में नाम होना चाहिए। जिल स्तर पर पीपी व एपीपी की सेवा भी इसी तरह ली जाती है।

राजद ने आरोप लगाया है कि जेडीयू नेता संजय झा की दोनों बेटियों को कोई विशेष अनुभव नहीं है। राजद ने पूछा है कि जदयू के कितने दलित, पिछड़े और अति पिछड़े नेताओं, सांसदों, मंत्रियों या कार्यकर्ताओं के बेटे-बेटियों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि बिना अनुभव यह उपलब्धि प्राप्त कर लें।

पहलगाम आतंकी हमले पर टीएमसी सांसद बनर्जी के मोदी सरकार से सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले पर मोदी सरकार से 5 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि हमले को 55 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन सरकार ने बॉर्डर सेफ्टी, इंटेलिजेंस, विदेश नीति, मीडिया और ज्यूडिशियरी के सवालों पर जवाब नहीं दिया।

टीएमसी सांसद बनर्जी ने कहा कि विपक्ष, मीडिया और ज्यूडिशियरी ने भी इन सवालों को नहीं उठाया। यह लोकतंत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। एक जिम्मेदार नागरिक और जनप्रतिनिधि होने के नाते, मैं भारत सरकार के सामने 5 सवाल रखता हूं।

उन्होंने पूछा कि पहलगाम हमला नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक था, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। अगर सुरक्षा तंत्र फेल हुआ, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार क्यों दिया गया।

सरकार पेगासस जैसे जासूसी टूल का इस्तेमाल आतंकियों के खिलाफ क्यों नहीं कर रही है। इतना ही नहीं उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि पहलगाम के हमलावर जिंदा है या मारे गए।

आतंकवादी सीमा में कैसे घुसे- हथियारों से लैस 4 आतंकवादी भारतीय सीमा में कैसे घुसे और 26 लोगों की जान कैसे चली गई? यह नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक थी। विफलता की जिम्मेदारी कौन लेगा?

आईबी चीफ का कार्यकाल क्यों बढ़ाया- अगर हमला सुरक्षा में चूक के कारण हुआ था, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार हुआ। हमले के एक महीने बाद ही उन्हें इनाम क्यों दिया गया? उन्हें जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया गया?

अगर मोदी सरकार विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और जजों पर जासूसी टूल पेगासस चला सकती है, तब आतंकियों पर इसका इस्तेमाल क्यों नहीं हो रहा है?

पहलगाम हमले में शामिल 4 आतंकियों का क्या हुआ? वे मारे गए या अभी जिंदा हैं? अगर मारे गए हैं, तब मोदी सरकार ने स्पष्ट बयान क्यों नहीं दिया? और अगर नहीं मारे गए, तब चुप्पी क्यों?

टीएमसी सांसद ने लिखा कि बीते 10 साल में विदेश मामलों पर 2 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। देश की जनता पारदर्शिता, जवाबदेही और नतीजे चाहती है, न कि चुप्पी और बहाने।

बिहार की जनता से पीके की अपील, लालू, नीतीश और पीएम मोदी को देखा...अब एक मौका मुझे दें

पटना। बिहार के लोगों से बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य में एक नए विकल्प का समर्थन करने की अपील कर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों ने लालू यादव, पीएम मोदी और नीतीश कुमार का शासन देखा है, लेकिन अब जनता का शासन होना चाहिए। मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके में एक सभा को संबोधित कर पीके ने कहा कि मैं वोट नहीं मांग रहा हूं...मैंने बीते 2.5 वर्षों में पांच हजार गांवों की यात्रा की है, कई लोगों को इकट्ठा किया है और एक पार्टी जन सुराज बनाई है...आपने लालू प्रसाद, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है...अब बिहार में लोगों का शासन, जन सुराज होना चाहिए। इसके पहले प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधकर कहा कि 30 साल से उन्होंने बिहार में सिर्फ गरीबी और भ्रष्टाचार फैलाया है। उन्होंने कहा कि बीते 30 सालों से वे सिर्फ सामाजिक न्याय का नारा देकर अपने परिवार और अपने बच्चों का भला करना चाहते हैं। उनके पास न कोई विजन है और न ही वे समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं। वे सिर्फ जाति के आधार पर लोगों को बांटकर राजनीति करना चाहते हैं।

हज यात्रियों से भरे विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं, टल गया बड़ा हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचा विमान बड़े हादसे का शिकार होते होते बच गया। गनीमत रही कि विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं को देखते ही सभी चीजों को नियंत्रित कर लिया गया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। इस विमान में 250 हज यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे, जो जेद्दा से लखनऊ पहुंचा था। सभी यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं, और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6:30 बजे सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 ने लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। लैंडिंग के बाद टैक्सी वे पर जाते समय विमान के पहिए से अचानक चिंगारी और धुआं निकलने लगा। पायलट ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए विमान को रोक दिया, जिससे एक संभावित हादसा टल गया।

एयरपोर्ट की फायर टीम को तत्काल सूचना दी गई, और करीब 20 मिनट की

मशक्कत के बाद स्थिति पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम में रिसाव (लीकेज) के कारण यह खराबी आई थी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि अगर यह खराबी टेकऑफ के दौरान हुई होती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। पायलट की सूझबूझ और एयरपोर्ट की आपातकालीन टीम की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े हादसे को रोक दिया। विमान में सवार सभी 250 हज यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया और उनकी सुविधा के लिए एयरपोर्ट पर वैकल्पिक व्यवस्था की गई। सऊदिया एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी की वजह से लैंडिंग के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई। एयरलाइंस ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के बाद विमान में सवार हज यात्रियों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल रहा। हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत यात्रियों को शांत किया और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ में हुए विवाद के बाद दोनों हुए अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ में आपसी मतभेद हो गया है। इसके चलते दोनों अलग अलग हो गए है। बताया जा रहा है कि दोनों ने अब साथ काम नहीं करने का फैसला किया है। फिलहाल, इसे लेकर पुलिस ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे में बड़े गैंगस्टर्स को ट्रैक कर रही राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की चिंता बढ़ सकती है। दोनों का नाम पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या समेत कई मामलों में आ चुका है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों गैंगस्टर्स के कई सहयोगियों से पूछताछ के बाद केंद्रीय एजेंसियों ने पाया है कि बिश्नोई और बराड़ ने साथ काम करना बंद कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि अपराध जगत में शुरुआती दिनों में लॉरेंस ने बराड़, काला राणा और अन्य लोगों के साथ मिलकर टीम तैयार की थी। उन्होंने कहा, बाद में बिश्नोई ने एक बिजनेस मॉडल बनाया जिसमें यूपी (धनंजय सिंह), पंजाब (जग्गू भगवानपुरिया), हरियाणा (काला जठेड़ी), राजस्थान (रोहित गोदारा) और दिल्ली (रोहित मोई और हाशिम बाबा) के गैंगस्टर्स शामिल थे।

दोनों गैंगस्टर्स ने साथ काम नहीं करने का फैसला किया है। गोल्डी ने अजरबैजान में बैठे रोहित गोदारा के साथ काम शुरू किया है। वहीं, बिश्नोई अब कनाडा के नोनी राणा के साथ है। यह दरार और नए सिंडिकेट अब राज्यों की पुलिस की चिंता बढ़ा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस मुद्दे पर हाल ही में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने एनआईए के साथ बात की थी।

अमेरिका में भाई अनमोल बिश्नोई का केस संभालने को लेकर लॉरेंस, गोल्डी और गोदारा से नाराज है। सूत्रों ने कहा, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली थी कि बराड़ और गोदारा ने जरूरी बेल बॉन्ड दाखिल करने में अनमोल की मदद नहीं की। अनमोल को बाद में रिहा कर दिया गया, लेकिन पैर में ब्रेसलेट ट्रैकर पहनाया गया है। सूत्रों ने बताया है कि पुलिस को पता चला है कि बीते कुछ महीनों से नोनी राणा अमेरिका से कॉल कर बिश्नोई के नाम पर वसूली कर रहा है। नोनी राणा हरियाणा के यमुनानगर के कुख्यात गैंगस्टर काला राणा का छोटा भाई है।

फ्लाइट्स पर लगा ग्रहण.... बीते 24 से 48 घंटे में तीन फ्लाइट वापस लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315, जो हांगकांग से दिल्ली जा रही थी, उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के बाद हांगकांग लौट आई। यह उड़ान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान से संचालित हो रही थी।

भारत आ रहे बोइंग के दो ड्रीमलाइनर प्लेन रविवार को बीच रास्ते से टेकऑफ एयरपोर्ट पर लौट आए। इसमें से एक फ्लाइट लंदन से चेन्नई और दूसरी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। दोनों फ्लाइट की सोमवार को लैंडिंग होनी थी। ब्रिटिश एयरवेज के चेन्नई आ रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। वहीं, लुफ्थांसा एयरलाइन (जर्मनी) के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके कारण प्लेन को लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली और लौटना पड़ा।

इधर, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर सऊदी अरबिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी-3112 की लैंडिंग के दौरान पहिए से चिंगारी और धुआं निकलने लगा। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई से जयपुर आने वाली फ्लाइट को 5 घंटे से ज्यादा समय तक बिना एयर कंडीशनर (एसी) के बैठाए रखा गया। इन दोनों घटनाओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315 के पायलट को हांगकांग से दिल्ली आते समय हवा में किसी तकनीकी गड़बड़ी का शक हुआ, जिसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखकर फ्लाइट को लौटाने का फैसला लिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं लंदन से चेन्नई आ रही ड्रीमलाइनर 787-8 से संचालित ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए35 तकनीकी खराबी (फ्लैप फेल) के कारण डोवर के पास चक्कर लगाकर हीथ्रो लौट गई। फ्लाइट ने दोपहर 1.16 बजे टेकऑफ किया और एयरपोर्ट लौटने से पहले करीब दो घंटे तक हवा में रही। फ्लाइट एयरपोर्ट लौटने से पहले कई होल्डिंग पैटर्न में रही।

वहीं जर्मनी से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट को उड़ान के बाद वापस फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट लौटना पड़ा। यह फ्लाइट सोमवार (16 जून) सुबह हैदराबाद लैंड करने वाली थी। लुफ्थांसा एयरलाइंस ने बताया, हमें हैदराबाद में लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली, इसलिए फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा। वहीं हैदराबाद एयरपोर्ट के अधिकारी ने बताया कि 15 जून की शाम 6:01 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट को एक बम धमकी भरा

ईमेल मिला। इसके बाद एयरपोर्ट पर बम थ्रेट असेसमेंट कमेटी बनाई गई और सभी सुरक्षा प्रक्रिया एसओपी के अनुसार पूरी की गई। उन्होंने बताया, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस को सलाह दी गई कि फ्लाइट को या तो वापस जर्मनी भेज दिया जाए या नजदीकी सुरक्षित एयरपोर्ट पर उतारा जाए। इसके बाद फ्लाइट को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट वापस लौटा दिया गया।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका, द्रविड़-वीरेंद्र का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जून से शुरू हो रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल इतिहास रच सकते हैं। दरअसल, यशस्वी रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने और वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने के कगार पर हैं। टेस्ट क्रिकेट में 2023 में डेब्यू के बाद से ही ये युवा खिलाड़ी ने अपनी छाप छोड़ी है। उन्हें पहले से ही दुनिया के बेहतरीन युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज रिकॉर्ड बुक में अपना नाम और दर्ज करा सकता है। उसके पास टेस्ट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का सुनहरा मौका है।

यशस्वी जायसवाल ने फिलहा 19 मैच की 36 पारियों में 52.88 के औसत से 1789 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम चार शतक और दस अर्द्धशतक हैं। अगर वह अगली तीन पारियों में 2000 रन का आंकड़ा पूरा करने में सफल हो जाते हैं तो वह टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 2000 रन बनाने के मामले में राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग को पछाड़ सकते हैं। द्रविड़ और सहवाग दोनों ने 40 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। ऐसे में जायसवाल के पास इंग्लैंड में आगामी सीरीज में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा।

यशस्वी जायसवाल के लिए इंग्लैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करने की चुनौती आसान नहीं होगी। दौरे की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में चार पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्द्धशतक बनाया। जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं, जिन्होंने देश की शुरुआत इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शतक के साथ की थी और इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी अर्धशतक बनाया था।

आईसीसी ने घोषित किया महिला एकदिवसीय विश्वकप का कार्यक्रम, भारत पाक मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल 30 सितंबर से शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये टूर्नामेंट इस साल 30 सितंबर से भारत में शुरुह होगा हालांकि इसमें पाकिस्तान के मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही हाईब्रिड मॉडल रखा गया है। इसमें मेजबान भारतीय टीम श्रीलंका से पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 30 सितंबर को खेलेगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। वहीं फाइनल 2 नवंबर को होगा। ऑस्ट्रेलिया इसमें पहला मुकाबला 1 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड से खेलेगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण पाकिस्तान के सभी मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाक के बीच मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में खेला जाएगा। इस टूर्नामें में भारत में होने वाले मैच बेंगलुरु, गुवाहाटी, इंदौर और विशाखापत्तनम जबकि श्रीलंका में होने वाले मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। ये सभी मैच दोपहर 3 बजे से होंगे।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉज़ेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अुनभवी साझा करना रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था,'

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे.'

उनकी वापसी तक भारतीय टीम को टीम लक्ष्मण के अनुभवों से सीखने को मिलेगा।

सरफराज को लेकर टीम प्रबंधन पर बरसे आकाश चोपड़ा

-तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

मुम्बई (एजेंसी)। भारत ए की ओर से बल्लेबाज सरफराज खान के अच्छे प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एक बार फिर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। चोपड़ा ने कहा है कि अगर प्रबंधन को सरफराज पर भरोसा ही नहीं था तो उसे क्यों इंग्लैंड दौरे पर ले जाया गया था। चोपड़ा ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि सरफराज को इस दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ए और भारतीय टेस्ट टीम के बीच इंट्रा स्क्वॉड मैच में सरफराज ने जबरदस्त पारी खेली। उन्होंने कहा है कि जब आपको सरफराज की तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

15 चौके और 2 छक्कों की मदद से इस इंट्रा स्क्वॉड मैच में शतक लगाने से पहले सरफराज ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी 92 रनों की पारी खेली थी। पिछली सीरीज के दौरान ये बल्लेबाज भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा था पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उसको अवसर नहीं मिला था। इस पर चोपड़ा ने कहा है कि इस खिलाड़ी ने ऐसा कुछ गलत नहीं किया है कि उनको टेस्ट टीम में न रखा जाए।

चोपड़ा ने कहा, सरफराज ने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। वास्तव में, उन्होंने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने जो एक मैच खेला, उसमें उन्होंने 90 से ज्यादा रन बनाए। वे शतक नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने रन बनाए। उसके बाद, आपने उन्हें अगले मैच में नहीं खिलाया और वे टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह अब तक इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में विफल नहीं हुए हैं, लेकिन आपने उन्हें मौका ही नहीं दिया। यह अच्छी कहानी नहीं है। मैं समझ सकता हूं कि अगर आपको उसकी तकनीक या खेलने के तरीके पर भरोसा नहीं है, तो शायद वह वहां रन नहीं बना पाएगा, तो आपको फैसला लेना होगा। फिर उसे इंडिया ए के साथ भी मत भेजिए, क्योंकि आपके

पास पहले से ही एक धारणा है।

आकाश ने कहा, अगर आपको लगता है कि वह रन बना सकता है और इसीलिए उसे इंडिया ए टीम में चुना गया है, तो उसे इंडिया टेस्ट टीम में भी खिलाइए। उसने क्या गलत किया है? उसने बेंगलुरु में शतक बनाया। फिर वह दो मैचों में विफल रहा, लेकिन उन मैचों में किसी और ने भी तो रन नहीं बनाए। उसने ऑस्ट्रेलिया में एक भी मैच नहीं खेला। वहीं सरफराज को टेस्ट टीम से बाहर करने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने तर्क दिया था, कभी-कभी आपको सिर्फ अच्छे फैसले लेने होते हैं।

डब्लयूटीसी जीतने के बाद भी दक्षिण अफ्रीका रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी टीम की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल खिताब जीतने के बाद भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी है। वहीं डब्लयूटीसी फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम अब ताजा जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी टीम 114 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि 123 रेटिंग अंकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बरकरार है। इंग्लैंड की टीम 113 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंची है। वहीं भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के कारण चौथे स्थान पर खिसक गयी है। भारतीय टीम 20 जून से शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड टीम से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी ,इसमें जीत से वह अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहेगी। न्यूजीलैंड आईसीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। वहीं श्रीलंका की टीम छठे और पाकिस्तान की टीम सातवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज की टीम इस समय 8वें नंबर पर बनी हुई है जबकि बांग्लादेश 9वें स्थान पर है। आयरलैंड की टीम 10वें पायदान पर है ।

बीसीसीआई ने यात्रा नीति में किया बदलाव, अब हर दिन दिये जाएंगे 10 हजार रुपये

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी यात्रा नीति को सरल बनाया है। बीसीसीआई की मौजूदा यात्रा नीति के अनुसार कर्मचारियों को छोटी अवधि की यात्रा (चार दिन तक) के लिए प्रतिदिन 15,000 रुपये और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल), महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं से संबंधित लंबी अवधि की यात्रा के लिए प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाता रहा है। हालांकि, अब इसमें बदलाव किया गया है। यात्रा के दौरान एकमुश्त आकस्मिक भत्ता 7500 रुपये था पर अब आकस्मिक भत्ते को हटा दिया गया है और कर्मचारियों को अब यात्रा के दौरान प्रतिदिन 10,000 रुपये का भुगतान किया जाएगा। आईपीएल का आयोजन दो महीने से कुछ अधिक समय तक होता है, जबकि आईसीसी प्रतियोगिता भी कम से कम एक महीने तक चलती है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि कटौती यानी टीडीएस के बाद प्रतिदिन भत्ता 6500 रुपये होता है। नीति में संशोधन किया जा रहा था इसलिए वित्त, संचालन और मीडिया विभाग सहित बीसीसीआई के कर्मचारियों को आईपीएल और डब्ल्यूपीएल के लिए उनके दैनिक भत्ते का भुगतान नहीं किया गया है, लेकिन अब जब नीति तैयार हो गई है तो उनके बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाना चाहिए। सूत्र ने कहा, ''भत्तों के संदर्भ में एक स्पष्ट नीति की आवश्यकता थी, क्योंकि कुछ कर्मचारी टूर्नामेंट के दौरान मुंबई मुख्यालय से संचालन करते हुए भी भत्ते का दावा कर रहे थे। अब जब यह तैयार हो गई है तो बकाए का भुगतान जल्द ही किया जाएगा।'' अधिक स्पष्टता के लिए एक कर्मचारी जो पूरे 70 दिवसीय आईपीएल के लिए यात्रा कर रहा है वह 10,000 रुपये के दैनिक भत्ते के लिए पात्र होगा, जिसमें कुल दावा राशि सात लाख रुपये होगी।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है। पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे।, जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज पर माइकल क्लार्क की बड़ी भविष्यवाणी, यह टीम 3-2 से जीतेगी

लंदन (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल क्लार्क ने इंग्लैंड-भारत टेस्ट सीरीज से पहले बड़ी भविष्यवाणी की हैं। क्लार्क के मुताबिक 20 जून से शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को भारत 3-2 से अपने नाम करेगा।

क्लार्क ने एक इंटरव्यू में कहा, 'यह 3-2 से होने जा रही है। मैं भारत के साथ जाऊंगा। मैं लॉर्ड्स टेस्ट देखने जा रहा हूं। मैं भारत को खेलते हुए देखने जा रहा हूं। मैं चाहता हूं कि वे 3-2 से जीतें।' उन्होंने आगे कहा, 'खैर, हां, मैं उन्हें एक मौका देता हूं, लेकिन यह उस टीम (इंग्लैंड) से कहीं ज़्यादा अनुभवहीन है जिसकी मुझे इंग्लैंड जाने वाली फ्लाइट में होने की

उम्मीद थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। तो इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए सबसे बुरी बात है। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं। कोई रिटायर होता है, और इससे किसी और को मौका मिलता है।'

इंग्लैंड और भारत हेडिंग्ले (लीड्स), एजबेस्टन (बर्मिंघम), लॉर्ड्स (लंदन), ओल्ड ट्रैफर्ड (मैनचेस्टर) और द ओवल (लंदन) में टेस्ट सीरीज खेलेंगे। टेस्ट प्रारूप में भारत के लिए एक नया युग शुरू हो रहा है क्योंकि आधुनिक समय की दिग्गज टीम रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के बिना अपने पहले दौरे और सीरीज के लिए तैयार है। भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने देश को सफलता की ओर ले जाने और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा के लिए चुनौती देने के लिए रोहित से कमान संभाली है।

5वां केयर्न्स कप शतरंज : फिर जीती हंपी और हरिका सयुंक्त बढ़त बनाई

सेंट लुइस। यूएसए में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप के चौथे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली नें एक बार फिर से जीत दर्ज करते हुए खुद को पुनः सयुंक्त बढ़त में शामिल कर लिया है । हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कजक्सितान की बीबीसारा के खिलाफ सेमी स्लाव ओपनिंग में शुरुआत से दबाव बनाया और मात्र 35 चालों में अपनी जीत सुनिश्चित की । इस जीत के साथ हम्पी लाइव रैंकिंग में एक बार फिर 2550 के पार पहुँच गयी है । हरिका द्रोणावल्ली की दूसरी जीत जॉर्जिया की नंबर एक खिलाड़ी नाना दगनिडजे के खिलाफ आई और उन्होने काले मोहरो से खेलते हुए कुईं पान ओपनिंग में हाथी और ऊंट के एंडगेम में 47 चालों में जीत दर्ज की । वहीं उक्रेन की मारिया मुजयचूक नें आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज की , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए उन्होने यूएसए की यिप करिसा को पराजित किया , अन्य दो मुकाबलों में पोलैंड की अलिना कशिलंस्कया नें जॉर्जिया की नीनों बत्स्श्वली से और लगातार दो जीत से शुरुआत करने वाली यूएसए की ली एलिस नें चीन की तान ज्होंगाई से ड्रॉ खेला । चार राउंड के बाद हम्पी , हरिका और एलिस 3 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है ।

लुईस की आक्रामक पारी से वेस्टइंडीज ने आयरलैंउ को हराया

जमैका । वेस्टइंडीज ने एक रोमांचक टी20 मुकाबले में आयरलैंड को हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज की जीत के हीरो एविन लुईस रहे जिन्होंने 44 गेंद में 91 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की हार का कारण लियाम मैकार्थी का ओवर रहा जिसमें मैकार्थी ने 4 ओवर में 81 रन दे दिये। इस प्रकार मैकार्थी अपने डेब्यू मैच में ही सबसे महंगे गेंदबाजी बने हैं। वेस्टइंडीज ने इस मैच में आयरलैंड को 62 रन के बड़े अंतर से हराया। इस मैच में आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी शुरु की। उसका ये फैसला गलत रहा। वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 256 रन का बड़ा स्कोर बना लिया। लुईस ने सबसे अधिक 91 रन की पारी खेली। इस बल्लेबाज ने इस पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए और उसका स्ट्राइक रेट 206.81 रहा। कप्तान शेई होप ने 27 गेंद में 51 रन बनाए। पहला मैच खेल रहे केसी कार्टी ने भी 49 रन बनाये। रोमारियो शेफर्ड ने 6 गेंद में 3 छक्कों की मदद से 19 रन बनाए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज मैकार्थी ने चार ओवर में ही 81 रन दे दिये। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में मूसा जोबार्टे गाम्बिया के बाद दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बन गए हैं। मूसा ने पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 ओवर में 93 रन लुटा दिये थे। वेस्टइंडीज से मिले कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम लड़खड़ा गयी। रॉस अडायर ने 48, हैरी टेक्टर ने 38 और मार्क अडायर ने 31 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं रहा। पूरी आयरिश टीम निर्धारित 20 ओवर में 194 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने सबसे अधिक 3 विकेट जबकि जेसन होल्डर ने दो विकेट लिए।

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए घोषित की टीम, तीन नये खिलाड़ी शामिल

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने इस माह के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज से दोनो ही टीमों के नए टेस्ट चैंपियनशिप सर्किल 2025 से 2027 सत्र की शुरुआत होगी। दो मैचों की ये टेस्ट सीरीज 17 जून से शुरु होगी और इसका पहला मुकाबला गाले में खेला जाएगा। इसमें श्रीलंकाई टीम की कप्तानी धनंजय डी सिल्वा टीम करेंगे। वहीं अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज अंतिम बार श्रीलंका की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। इसके अलावा पसिंदु सूरियाबंडारा, पवन रत्नायके और इसिथा विजेसुंदरा नए चेहरे हैं, जो टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले लाहिरु उदारा और सोनल दिनुषा को भी टीम में जगह मिली है। वहीं अनुभवी खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज लाहिरु कुमारा को चुना गया है हालांकि वह चोट के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। पहले टेस्ट मैच में सबकी नजरें पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज पर रहेगी। यह उनके टेस्ट करियर का अंतिम मुकाबला होगा। मैथ्यूज ने 2009 में गाले में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी और वह श्रीलंका की सफेद जर्सी में उसी स्थान पर संन्यास लेंगे। वहीं बांग्लादेश ने इस महीने की शुरुआत में अपनी टीम की घोषणा की थी जिसमें नजमुल हुसैन शांतो नए डब्ल्यूटीसी चक्र में टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। बांग्लादेश की टीम श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच गाले में 17 जून से 21 जून के बीच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीमें दूसरा टेस्ट के लिए कोलंबो में आमने सामने होंगी। यह मुकाबला 25 जून से 29 जून के बीच खेला जाना है।

श्रीलंका टीम- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), पथुम निसांका, ओशादा फर्नांडो, लाहिरु उदारा, दिनेश चांदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, कुसल मेंडिस, कमिंदु मेंडिस, पसिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनुषा, पवन रत्नायके, प्रभात जयसूर्या, थारिंदु रत्नायके, अकिला धनंजय, मिलन रत्नायके, असिथा फर्नांडो, कसुन रजिता, इसिथा विजेसुंदरा।

भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज से पहले करुण नायर का खुलासा, बड़े खिलाड़ी ने संन्यास लेने की सलाह दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। नायर को घरेलू क्रिकेट में रन बनाने का इनाम मिला है। लेकिन 33 वर्षीय खिलाड़ी के लिए वापसी का रास्ता बहुत कठिन और भावनात्मक था और एक समय तो भारत के एक बड़े खिलाड़ी ने उन्हें संन्यास लेकर फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलने की सलाह तक दे डाली थी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट से पूर्व नायर ने अपने जीवन के सबसे कठिन समय को याद किया।

नायर ने कहा, 'मेरी पत्नी ने कहा कि तुम क्या कर रहे हो, लेकिन मैंने उससे कहा कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। वह शायद मेरे जीवन का सबसे कठिन क्षण था। ऐसा लगा कि मेरी दुनिया खत्म हो गई है। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या करना है। मैं खुद से पूछ रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए? मेरा एक परिवार है और मेरे बेटे का हाल ही में जन्म हुआ है। नायर भावुक हो गए।'

करुण ने एक रिपोर्ट में कहा, 'मुझे अभी भी याद है कि एक प्रमुख भारतीय क्रिकेटर ने मुझे फोन किया और कहा कि आपको संन्यास ले लेना चाहिए क्योंकि इन लीगों में मिलने वाला पैसा मुझे सुरक्षित बनाएगा। ऐसा करना आसान होता, लेकिन मुझे पता था कि पैसे के बावजूद मैं इतनी आसानी से संन्यास लेने के लिए खुद को कोसता।'

इसके बाद नायर ने ट्वीट करते हुए एक और मौका मिलने की बात कही थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दो।' यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और फिर नायर को विदर्भ में शामिल किया गया जहां उन्होंने अपने करियर को बदल दिया।

वास्तविकता से निपटने के लिए संघर्ष करते हुए नायर अपनी पत्नी के जन्मदिन पर रो पड़े। उन्होंने कहा, 'मैं भारत के लिए दोबारा खेलना कभी नहीं छोड़ने वाला था। यह दो साल पहले की बात है और देखिए कि हम अब कहां हैं। यह पागलपन है, लेकिन अंदर से मुझे पता था कि मैं काफी अच्छा हूं।'

करुण नायर ने आगे कहा कि वह मैचों की संख्या या दीर्घकालिक योजनाओं पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'अब जो मायने रखता है वह यह है कि मैं फिर से भारतीय टीम की कैप पहनने का आनंद उठा पाऊं। इससे पहले मैं अपने मौकों का पूरा फायदा नहीं उठा पाया था। इस बार मैं एक बार में एक मैच में अपना पूरा योगदान देना चाहता हूं।'

हैवी वेट लिफ्टिंग में सक्षम होने से ज़्यादा सशक्त कोई एहसास नहीं है

फ़िटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ कभी भी अपनी सच्चाई बताने से पीछे नहीं हटती हैं, और जब फ़िटनेस की बात आती है, तो वेट ट्रेनिंग के प्रति उनका जुनून सबसे आगे नज़र आता है। फिटनेस की शौकीन कृष्णा का मानना है कि वेट ट्रेनिंग शरीर को तराशने का सबसे प्रभावी तरीका है, जिससे व्यक्ति खुद को ठीक वैसा आकार दे सकता है जैसा वह चाहता है। मेरा जुनून हमेशा से वेट ट्रेनिंग रहा है। मेरा मानना है कि वेट्स उठाना आपके शरीर को आकार देने का एक अच्छा तरीका है, चाहे आप खुद को आकार देना चाहें, वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करती हैं कि पारंपरिक कार्डियो वर्कआउट की तुलना में वेट ट्रेनिंग ज़्यादा पसंद है। कृष्णा के लिए जिम सिर्फ़ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है, यह उस शक्ति की खोज के बारे में है जो हैवी वेट उठाने के बाद आती है। कृष्णा के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की लत सिर्फ शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अनुभव है जो शरीर और मन दोनों को एक साथ बदलता है। वह कहती हैं, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सच में लत बना देती है। यह सिर्फ़ हफ़्ते-दर-हफ़्ते शारीरिक प्रगति नहीं दिखाती, बल्कि यह मानसिक रूप से भी बहुत कुछ बदलती है और आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों तक ले जाती है। शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कृष्णा श्रॉफ अपने आत्मविश्वास और आत्म-छवि में आए बदलाव का श्रेय वेट ट्रेनिंग को देती हैं। वह कहती हैं, मुझे लगता है कि जिम जाना, खास तौर पर वेट ट्रेनिंग, ने मुझे आत्मविश्वास की एक नई भावना दी है जो बचपन में मेरे पास नहीं थी। उनका यह ईमानदार स्वीकार इस बात का प्रमाण है कि कृष्णा के लिए फिटनेस सिर्फ़ एक शौक से कहीं बढ़कर बन गई है। यह आत्म-खोज और सशक्तिकरण का एक साधन रहा है जो आज भी उन्हें आकार दे रहा है।

निकिता रॉय का ट्रेलर रिलीज

डरावनी ताकतों का मुकाबला करती दिखीं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय' का ट्रेलर दर्शकों के रोंगटे खड़े करने के लिए काफी है। इस ट्रेलर में सोनाक्षी शैतान, भूत-प्रेत यानी सुपरनेचुरल ताकतों का सामने करती हुई दिखीं। फिल्म में परेश रावल भी एक अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा फिल्म 'निकिता रॉय' में एक जासूस की भूमिका में दिख रही हैं। निकिता का मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है, जो लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है।। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी हैं, जो निकिता को गाइड करते हैं। इन सब बातों के बीच कुछ डरावने दृश्य सामने आते हैं, जिसमें शैतान और भूत-प्रेतों की झलक मिलती है। इन ताकतों का और उस गुरु यानी परेश रावल के किरदार का मुकाबला निकिता रॉय कैसे करेगी? यही फिल्म में दिखाया जाएगा। निकिता रॉय के रोल में सोनाक्षी काफी जम रही हैं। वहीं ट्रेलर में परेश रावल अपनी एक्टिंग से डर का माहौल बनाने में पूरी तरह से कामयाब नजर आते हैं। उनके डायलॉग भी काफी दमदार हैं।

रिलीज की तारीख भी आई सामने

सोनाक्षी सिन्हा की सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म 'निकिता रॉय' की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ साझा की गई है। यह फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक कुश एस सिन्हा हैं। फिल्म को निक्की खेमचंद भगनानी ने प्रोड्यूस किया है। तीन साल बार बड़े पर्दे पर सोनाक्षी की वापसी सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'डबल एक्सएल' साल 2022 में थिएटर में रिलीज हुई। फिर 'काकुड़ा' में वह दिखीं लेकिन यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई। इस तरह देखा जाए तो बड़े पर्दे यानी सिनेमाघरों में तीन साल के बाद सोनाक्षी सिन्हा की कोई फिल्म रिलीज होगी

रणबीर की 'रामायण' में इस भूमिका के लिए प्रियंका चोपड़ा थीं पहली पसंद इस वजह से बिगड़ी बात

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर पिछले कई दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि, बीते दिनों फिल्म की स्टारकास्ट के फाइनल होने की खबरें आईं, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल समेत एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आ रही है। अब एक ऐसी जानकारी सामने आ रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा भी इस फिल्म का हिस्सा होने वाली थीं। मेकर्स ने प्रियंका से एक अहम किरदार के लिए संपर्क किया था। जानिए कौनसा था वो किरदार और क्यों अटक गई बात। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने ई-टाइम्स को बताया कि इस एपिक माइथोलॉजी में मेकर्स अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को भी लेना चाहते थे। इसके लिए मेकर्स ने प्रियंका से संपर्क भी किया था। जानकारी के मुताबिक, मेकर्स प्रियंका को सूर्पनखा के किरदार में कास्ट करना चाहते थे। जिसके लिए मेकर्स ने अभिनेत्री से अप्रोच किया था। मगर डेट्स के चलते प्रियंका इस किरदार को हां नहीं कह पाईं। नतीजा उनकी जगह रकुल प्रीत सिंह अब सूर्पनखा के रोल के लिए फाइनल की गई हैं।

संन्यास लेने की अफवाहों पर अभिनेता ने दी ये प्रतिक्रिया

आमिर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। वह इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि शायद फिल्म महाभारत के बाद मेरे पास करने के लिए कुछ न बचे। लोगों ने आमिर की इस बात का यह मतलब निकाला कि वह महाभारत के बाद एक्टिंग से संन्यास ले लेंगे।

एक्टिंग से पीछे नहीं हटेंगे आमिर खान

आमिर खान ने बातचीत में कहा है कि एक्टिंग से पीछे हटने का उनका कोई प्लान नहीं है। आमिर खान ने कहा महाभारत हमारी आखिरी फिल्म नहीं होगी। अभी मामला ऐसा है कि हम कुछ भी बोलें, उसका गलत मतलब निकल आता है। मुझसे पूछा गया कि आप कोई ऐसी फिल्म करो जिसको करने के बाद आपका काम करने का मन न हो। तो वह फिल्म कौन सी होगी?

आमिर ने कहा ध्यान से सुना करें बाते

इसके बाद आमिर ने कहा मटेरियलवाइज मुझे एक ही चीज नजर आती है कि जो फिल्म करने के बाद शायद मेरे मन में ये ख्याल उठे कि बस हो गया। मैंने उसका जवाब इस तरह दिया था। लोगों को लगा कि महाभारत मेरी आखिरी फिल्म होगी। जवाब को ठीक से सुना कीजिए।

क्या बोले थे आमिर खान?

आपको बता दें कि आमिर खान ने हाल ही में राज शमनी के साथ अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत के बारे में बात की थी। इसके बाद उनके संन्यास लेने की अफवाहें उड़ने लगीं। आमिर ने तब कहा था यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है कि मैं महाभारत बनाऊं, मैं इस पर सितारे जमीन पर की रिलीज के बाद काम करना शुरू कर दूंगा। मुझे लगता है कि यह ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसको करने के बाद मुझे ये लगेगा कि अब मैं इससे अच्छा नहीं कर पाउंगा। यह फिल्म भव्य होगी। इसके बाद आमिर के संन्यास की खबरें सुर्खियों में आईं।

आमिर खान की अगली फिल्म के बारे में

फिलहाल आमिर अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर की रिलीज के लिए तैयार हैं। फिल्म में वह एक बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभाने वाले हैं। वह दिव्यांग बच्चों को खेल सिखाते नजर आएंगे। आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित यह फिल्म स्पैनिश फिल्म चैंपियंस की रीमेक है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी हैं।

राणा नायडू और मस्ती... दोनों चीजें कभी साथ में नहीं चल सकती

तेलुगु स्टार राणा दग्गुबाती अपने हिट स्ट्रीमिंग शो राणा नायडू के दूसरे सीजन की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि इस शो में उनका किरदार बहुत सारे दर्द और मानसिक तकलीफों से जुड़ा है। इंटरव्यू में राणा से पूछा कि उन्हें अपने राणा नायडू का किरदार निभाने में सबसे मजेदार चीज क्या लगी?

उन्होंने कहा, राणा नायडू और मस्ती, ये दोनों चीजें कभी साथ में नहीं चल सकतीं। यह किरदार बहुत गंभीर है। वह कई अंदरूनी तकलीफों से जूझ रहा है, जिनका जिक्र वह किसी से नहीं कर पाता। मुझे लगता है कि भारतीय पुरुषों के साथ ऐसा होता है, खासकर जो परिवार के मुखिया होते हैं या जिन पर बहुत जिम्मेदारी होती है, वे अपनी तकलीफों के बारे में किसी से बात नहीं करते। नायडू परिवार की कहानी में भी ऐसा ही कुछ दिखाया गया है, एक ऐसा परिवार जिसमें सभी लोग अपनी-अपनी अंदरूनी परेशानियों के दबाव में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, चाहे वह बाप-बेटे के बीच का झगड़ा हो, पति-पत्नी के बीच की परेशानी हो या भाई-बहनों के बीच के मतभेद हों, मुझे लगता है कि यह सब किसी न किसी पुराने दर्द से जुड़े हुए हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से उन तकलीफों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है।

सीजन 1 में सिर्फ एक ऐसा परिवार था, जो बिखरा हुआ था। उनमें झगड़े, मतभेद और परेशानियां थीं। सीजन 2 में अब दो ऐसे परिवार हैं, जो आपसी तनाव और मुश्किल हालातों से जूझ रहे हैं। अभिनेता ने साझा किया, अब दो ओबेरॉय कहानी में आए हैं। आपने सोचा था कि नायडू परिवार बुरा है, लेकिन ये तो उससे भी ज्यादा बुरे हैं। अमीर लोगों की परेशानियां और भी बड़ी होती हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि अमीर लोगों की भी यही समस्याएं होती हैं। उनकी परेशानियां एक अलग तरीके से बढ़ जाती हैं, जैसे विरासत और ऐसी चीजें। इस कहानी में नागा नाम का एक किरदार है, जो इस परिवार के बीच में बार-बार दखल देता रहता है। राणा नायडू का दूसरा सीजन 13 जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

बिना ऑडिशन दिए जयदीप को मिली थी पाताल लोक

वेब सीरीज पाताल लोक ने जयदीप अहलावत के करियर को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने इसमें हाथीराम चौधरी का किरदार अदा किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह शानदार सीरीज एक्टर को बिना किसी ऑडिशन के मिली।

कलाकार का खाली वक्त निराशा में नहीं जाना चाहिए

अभिनेता से पूछा गया कि 2010 से 2020 तक के सफर पर बात करें तो आप हर जगह नजर आए। बड़े-बड़े किरदार में नजर आए। लेकिन, क्या ऐसा लगा कि दिख तो रहा हूं लेकिन एक पहचान बनाना बाकी है? इस पर जयदीप अहलावत ने कहा हां बिल्कुल लगा। मैंने बहुत बड़े-बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम किया। एक काम के बाद दूसरे काम में गैप भी बहुत ज्यादा रहा। ऐसे बहुत लंबा वक्त बीता है। लेकिन, जब आप वहां जाते हो तो यही वो पिलर हैं जहां मकान बनता है। तो मुझे लगता है कि नींव काफी मजबूत है। जयदीप ने आगे कहा, बस यही है कि जब आप खाली बैठो तो वह दौर निराशा में नहीं जाना चाहिए। खाली बैठे एक्टर को बहुत तैयारी करनी चाहिए। कई एक्टर्स ने बहुत अच्छा काम किया। फिर गायब हुए और वापस आए। ऐसे में कंसिस्टेंसी बहुत जरूरी है।

वेब सीरीज पाताल लोक ने जयदीप अहलावत के करियर को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने इसमें हाथीराम चौधरी का किरदार अदा किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह शानदार सीरीज एक्टर को बिना किसी ऑडिशन के मिली। दरअसल, जयदीप अहलावत 10 जून को देहरादून में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। यहां उन्होंने पाताल लोक को लेकर खुलासा किया।

कैसे मिली पाताल लोक?

15 मई 2020, वह दिन जब भारत के तमाम लोग अपने घरों में थे। तब पाताल लोक रिलीज हुई और लोगों को हाथीराम चौधरी देखने को मिला। लोगों के फोन आने शुरू हुए होंगे? क्या अनुभव था? जयदीप अहलावत ने कहा, मेरे पास जब यह सीरीज आई, तो कहा गया कि आप इसके लिए हां कहो और आपका कोई ऑडिशन नहीं होगा। मुझे बहुत सरप्राइज हुआ कि मैं आठ-नौ एपिसोड की एक सीरीज करूं और मुझे जांचा-परखा भी न जाए। जिस खूबसूरती से पाताल लोक को लिखा गया, दुनिया में ऐसा कोई एक्टर नहीं जो इस स्क्रिप्ट को मना कर सकता है।

एक्टर से पूछा गया पाताल लोक के बाद क्या कोई ऐसा कॉल आया जब आपको हैरानी हुई हो? एक्टर ने कहा, उस वक्त कई दिग्गजों के फोन आए। मनोज (बाजपेयी) भाई ने मुझसे करीब 20 मिनट तक बात की। मैं रो रहा था और वो बोले जा रहे थे। उन्होंने कहा कि इसे देखकर मुझे लग रहा है कि मेरी एक्टिंग की वर्कशॉप हो रही है। मुझे लगता है कि इससे सुंदर मुझे कोई क्या बोलेगा? 5 दिन के बाद बहुत बड़े-बड़े लोगों ने बधाई दी तब महसूस हुआ कि अब ये बड़ा हो गया।

मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी इसी वजह से 'कुबेर' के लिए हां कहा

धनुष स्टारर फिल्म 'कुबेर' का आज सॉन्ग लॉन्च इवेंट हुआ। इस खास मौके पर नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, रश्मिका मंदाना, जिम सरभ और दलीप ताहिल जैसे दिग्गज एक्टर्स ने शिरकत की। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित और सह-लिखित 'कुबेर' एक सोशल थ्रिलर है। इस दौरान अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। रश्मिका मंदाना ने डायरेक्टर शेखर कम्मुला और को-स्टार धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी। यही वजह थी कि मैंने इस फिल्म के लिए हां कह दी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए रश्मिका ने कहा यकीनन मैंने ऐसा रोल पहले कभी नहीं किया। मैं पूरी तरह से डायरेक्टर के हवाले हो गई और यही खूबसूरती है। हर डायरेक्टर का अपना अंदाज होता है, इसीलिए मुझे इतने दिलचस्प और अलग-अलग किरदार निभाने को मिलते हैं। मैं इसके लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I.No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।